RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
बोकारो, शुक्रवार
16.1.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 88
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत में लोकतंत्र का अर्थ अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना : पीएम

28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ अंतिम पंक्ति तक लाभ की पहुंच है। उन्होंने कहा कि सरकार लोक कल्याण की भावना से बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के लिए कार्य कर रही है और इसी कारण बीते कुछ वर्षों में देश में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में यह सम्मेलन हो रहा है, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। गुलामी के अंतिम वर्षों में, जब भारत की स्वतंत्रता तय हो चुकी थी, उसी समय इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा की बैठकें हुई थीं। स्वतंत्रता के बाद लगभग 75 वर्षों तक यह भवन भारत की संसद रहा, जहां देश के भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय और चर्चाएं हुईं। अब इस लोकतंत्र को समर्पित ऐतिहासिक स्थल को संविधान सदन का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चौथा अवसर है जब राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन भारत में आयोजित हो रहा है। इस बार सम्मेलन का मुख्य विषय संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी कार्यप्रणाली और जनकल्याण तक उसकी पहुंच है। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अध्यक्ष का कार्य स्वयं अधिक बोलना नहीं, बल्कि दूसरों की बात सुनना और सभी को समान अवसर देना होता है। अध्यक्षों का धैर्य ही लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखता है और वे शोरगुल या अत्यधिक उत्साही सदस्यों को भी मुस्कान के साथ संभालते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के समय कई लोगों को संदेह था कि इतनी विविधताओं वाला देश लोकतंत्र को सफलतापूर्वक चला पाएगा या नहीं, लेकिन भारत ने अपनी विविधता को लोकतंत्र की शक्ति बना दिया। भारत ने यह सिद्ध किया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं विकास को स्थिरता, गति और व्यापक विस्तार प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। भारत में विकसित एकीकृत भुगतान प्रणाली आज दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान व्यवस्था बन चुकी है। भारत वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा टीका उत्पादक देश है और इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवाचार और स्टार्टअप परिवेश है।

प्रधानमंत्री ने पोंगल पर काशी-तमिल संगमम को सांस्कृतिक एकता का उदाहरण बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोंगल के अवसर पर काशी-तमिल संगमम के विस्तार को देश की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल आज परंपराओं, भाषाओं और समुदायों को जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बन चुकी है, जिसने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और गहराई दी है। प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा में लिखे अपने लेख में कहा कि काशी-तमिल संगमम भारत की विविधता में निहित एकता का जीवंत उदाहरण है, जो सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी समझ और सम्मान को मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट्स में कहा कि काशी-तमिल संगमम भारत की विविधता में निहित एकता का जीवंत उदाहरण है। यह पहल सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी समझ और सम्मान को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी सोमनाथ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों से बातचीत की, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पोंगल के विशेष अवसर पर काशी-तमिल संगमम की यात्रा और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका पर विचार साझा करना उनके लिए विशेष रहा। इस पहल ने यह दिखाया है कि सांस्कृतिक संपर्क किस प्रकार राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा में लिखे अपने लेख में काशी-तमिल संगमम की पृष्ठभूमि और इसके ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इतिहास, संस्कृति और भारतीय समाज की साझा चेतना के प्रति लोगों का सम्मान स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

सेना दिवस पर पीएम और रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना के शौर्य व बलिदान को किया नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

सेना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के शूरवीर जवानों, अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने देश की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता की रक्षा में भारतीय सेना के अदम्य साहस, निष्ठा और बलिदान की मुक्त कंठ से सराहना की और कहा कि सेना का योगदान राष्ट्र के लिए अमूल्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि देश की रक्षा के लिए हमारे सैनिक जिस अनुशासन, साहस और त्याग के साथ हर समय कर्तव्यपथ पर डटे रहते हैं, उस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अपने अनुकरणीय अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और उच्च पेशेवर दक्षता से राष्ट्र सेवा के सर्वोच्च मानक स्थापित किए हैं। सीमाओं की रक्षा से लेकर प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत और बचाव कार्यों तक, आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय शांति अभियानों तक, हर परिस्थिति में सेना ने अद्भुत समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान देशवासियों ने हमारे जवानों के अदम्य साहस और पराक्रम को प्रत्यक्ष रूप से महसूस किया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सेना विश्व के सबसे सम्मानित और सक्षम सैन्य बलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बीते कुछ वर्षों में सेना और अन्य सुरक्षा बलों को अधिक सक्षम, आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अत्याधुनिक हथियारों और तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाई गई है, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया गया है और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों को प्रोत्साहन देकर आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में भारतीय सेना की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों का साहस, समर्पण और राष्ट्र के प्रति निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को देश सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करती रहेगी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के सभी जवानों, अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए सेना के निस्वार्थ सेवा भाव, वीरता और साहस के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना सीमाओं पर सतर्क प्रहरी के रूप में तैनात रहकर बहुआयामी सुरक्षा चुनौतियों का डटकर सामना करती है। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाकर सेना ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह केवल सीमाओं की ही नहीं, बल्कि देश के नागरिकों की सुरक्षा और सेवा की भी मजबूत ढाल है।

संक्षिप्त समाचार

ईरानी हवाई क्षेत्र बंद...एयर इंडिया ने अमेरिका के लिए करीब तीन उड़ानें रद्द की

नई दिल्ली। भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अमेरिका के लिए करीब तीन उड़ानें रद्द की और यूरोप के लिए कुछ सेवाओं के संचालन में भी देरी होगी। विमानन कंपनी से जुड़े सूत्र ने बताया कि करीब तीन उड़ानों दिल्ली से न्यूयॉर्क एवं नेवार्क के लिए दो तथा मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए एक उड़ान को रद्द कर दिया गया है। विमानन कंपनी ने पोस्ट कर बताया कि ईरान में उभरती स्थिति, इसके बाद उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए, क्षेत्र से होकर गुजरने वाली उड़ानें अब वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे देरी हो सकती है। कंपनी ने कहा, ''एअर इंडिया की वे कुछ उड़ानें रद्द हो रही हैं जिनका मार्ग बदलना फिलहाल संभव नहीं है। एयर इंडिया ने इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जाहिर किया। एअर इंडिया अमेरिका और यूरोप की उड़ानों के लिए ईरानी हवाई क्षेत्र का उपयोग करती है और वैकल्पिक मार्ग इराक के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरना है। सूत्र ने कहा कि इराक के हवाई क्षेत्र का उपयोग करने से यात्रा अवधि बढ़ेगी और विमान के पास अमेरिका के लिए कुछ सेवाओं का संचालन करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं होगा। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण एअर इंडिया पश्चिम की ओर जाने वाली कई उड़ानों के लिए पहले से ही लंबे मार्ग इस्तेमाल कर रही है।

बीएमसी चुनावः आरएसएस प्रमुख भागवत ने डाला वोट, सही उम्मीदवार चुनने पर दिया जोर

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर महानगरपालिका चुनाव के लिए अपना वोट डाला। भागवत सुबह-सुबह मतदान करने वाले मतदाताओं में शामिल थे। मतदान के बाद मीडिया से मुखाबित होते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और सही उम्मीदवार चुनने के महत्व पर जोर दिया। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि 'नोटा' का विकल्प चुनने से परोक्ष रूप से अवांछित उम्मीदवारों को बढ़ावा मिलता है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त

एजेंसी। नई दिल्ली

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था। ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था।

एआई और सोशल मीडिया का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नैतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और विश्वसनीय, पारदर्शी तथा जवाबदेह सोशल मीडिया ढांचे का निर्माण बहुत जरूरी है। एआई और सोशल मीडिया का दुरुपयोग दुष्प्रचार, साइबर अपराध और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है, जिनसे निपटना विश्व की विधायिकाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। बिरला ने गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में कहा कि एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकियों ने लोकतांत्रिक संस्थानों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता बढ़ाई है। भारत की संसद और विधानसभाओं को पेपरलेस बनाने और उन्हें एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सरकार के साझा प्रयासों से पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को हटाया गया है तथा नए जनकल्याणकारी कानून बनाए गए हैं। इन सुधारों से भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बिरला ने कहा कि जनता की दृष्टि में संसदीय संस्थाओं की गरिमा, विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा बनाए रखना सभी लोकतांत्रिक इकाइयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श से वैश्विक चुनौतियों के सामूहिक समाधान निकलेंगे और लोकतांत्रिक संस्थाओं में नागरिकों का विश्वास और गहरा होगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में 53 संप्रभु देशों की राष्ट्रीय संसदों के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी शामिल हुए हैं। इसके अलावा 14 अर्ध-स्वायत्त संसदों के पीठासीन अधिकारी, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के महासचिव तथा अन्य अधिकारी भी प्रतिनिधि के रूप में भाग ले रहे हैं। इसके पूर्ण सत्रों में संसद में एआई के उपयोग के दौरान नवाचार, निगरानी और अनुकूलन के बीच संतुलन स्थापित करना, सोशल मीडिया का सांसदों पर प्रभाव, संसद के प्रति जन सामान्य की समझ बढ़ाने और मतदान के बाद भी नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नवीन रणनीतियां, संसद सदस्यों और संसदीय कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, और लोकतांत्रिक संस्थानों को सुदृढ़ बनाने में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका जैसे कई विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

युवक को बंधुआ मजदूर बनाने के मामले का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, दो हफ्ते में जवाब तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बहादुरगढ़ स्टेशन पर बिछड़े एक युवक को ग्रेटर नोएडा में बंधुआ मजदूरी और शारीरिक यातनाएं देने के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार के संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। एनएचआरसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के आधार पर इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए हरियाणा के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश स्थित गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त और बिहार के किशनगंज के जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बिहार के किशनगंज जिले का रहने वाला यह युवक अगस्त 2025 के आसपास अपने पिता के साथ यात्रा कर रहा था। बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर पानी लेने के लिए उतरने के दौरान भीड़ की वजह से वह ट्रेन में वापस नहीं चढ़ सका। बाद में किशोर को एक व्यक्ति नौकरी का झांसा देकर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) ले गया। वहां उसे बंधुआ मजदूर बनाकर मवेशी चराने और चारा काटने के काम में लगा दिया गया।

नीट पीजी में तीसरे राउंड से पहले कट-ऑफ में बड़ी गिरावट

एजेंसी। नई दिल्ली

देश भर में नीट पीजी काउंसलिंग के दूसरे राउंड के बाद 18,000 से अधिक पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें खाली रह गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, खाली सीटों का कारण डॉक्टरों की योग्यता की कमी नहीं, बल्कि ऊंचे पर्सेंटाइल मानदंड थे। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने तीसरे राउंड से पहले कट-ऑफ कम करने का फैसला किया। संशोधित मानदंडों के तहत आरक्षित वर्ग के लिए पर्सेंटाइल 40 से घटाकर 0 कर दिया गया है, जिसमें न्यूनतम अंक 235/800 से -40 हो गए। सामान्य और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए योग्यता पर्सेंटाइल 50 से घटाकर 7 कर दी गई है। पीडब्ल्यूबीडी सामान्य उम्मीदवारों लिए यह 45 से घटाकर 5 पर्सेंटाइल किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार इस बदलाव से सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में खाली सीटें भरने की संभावना बढ़ेगी। अधिकारी भी मानते हैं कि सीटें खाली रहने का कारण पात्रता या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि कठोर पर्सेंटाइल सीमा थी।

मकर संक्रांति पर केंद्रीय गृह अमित शाह ने पुनर्विकास कार्य का भूमि पूजन किया

अहमदाबाद| मकर संक्रांति के पावन अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड द्वारा पुनर्विकसित किए जाने वाले सूर्या अपार्टमेंट सेक्टर-2 के आवासों का विधिवत भूमि पूजन किया। इस अवसर पर शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग की राज्य मंत्री दर्शनाबेन वाघेला भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न कर पुनर्विकास परियोजना के लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के निवासियों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक आवास सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद शहर की मेयर प्रतिभाबेन जैन, राज्यसभा सांसद नरहरि अमीन, नारणपुरा के विधायक जितेंद्र पटेल, वरिष्ठ राजनीतिक नेता प्रेरक शाह, पुनर्विकास परियोजना के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष होंगे गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25-27 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत की राजकीय यात्रा पर होंगे। यात्रा के दौरान दोनों नेता 27 जनवरी को 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि 77वें गणतंत्र दिवस और 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपीय संघ के नेताओं की भागीदारी भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेगी और आपसी हित के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाएगी। भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन से इतर भारत-यूरोपीय संघ व्यापार मंच का आयोजन भी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारत और यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं। 15वां भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 15 जुलाई 2020 को वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था।

राजनाथ सिंह ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन पर सैनिकों के साथ बातचीत करके बढ़ाया हौसला

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना दिवस पर जयपुर में परेड के बाद जयपुर मिलिट्री स्टेशन पर सैनिकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब युद्ध केवल आमने-सामने की गोलाबारी तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक युद्ध कई प्रकार का हो चुका है। साइबर, अंतरिक्ष, ड्रोन से लेकर टीवी, अखबार और मोबाइल भी अब युद्ध भूमि का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे समय में सिर्फ ताकतवर होना ही काफी नहीं है, समझदार और सतर्क होना भी उतना ही जरूरी है। इसलिये आज के सैनिक को सिर्फ शारीरिक रूप से ही फिट नहीं, बल्कि मानसिक और तकनीकी रूप से भी सक्षम होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अभी कुछ ही महीने पहले ऑपरेशन 'सिंदूर' इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। जिस तरह से आपने युद्धभूमि की बदलती हुई परिस्थितियों के अनुसार खुद को उन्नत किया, वह अपने आप में अद्वितीय है। पूरे देश को आपके ऊपर गर्व है। आपकी वीरता के ही चलते दुश्मन कोई हिमाकत नहीं कर सका। यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था। यह उस भरोसे का प्रमाण था, जो देश को अपनी सेनाओं पर है।

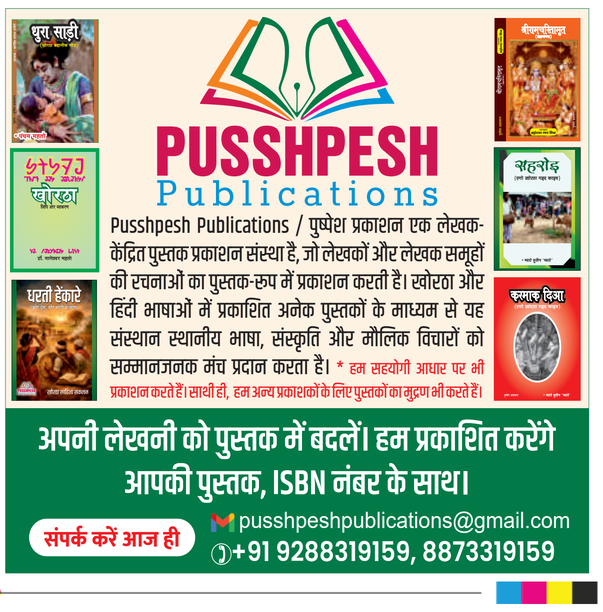

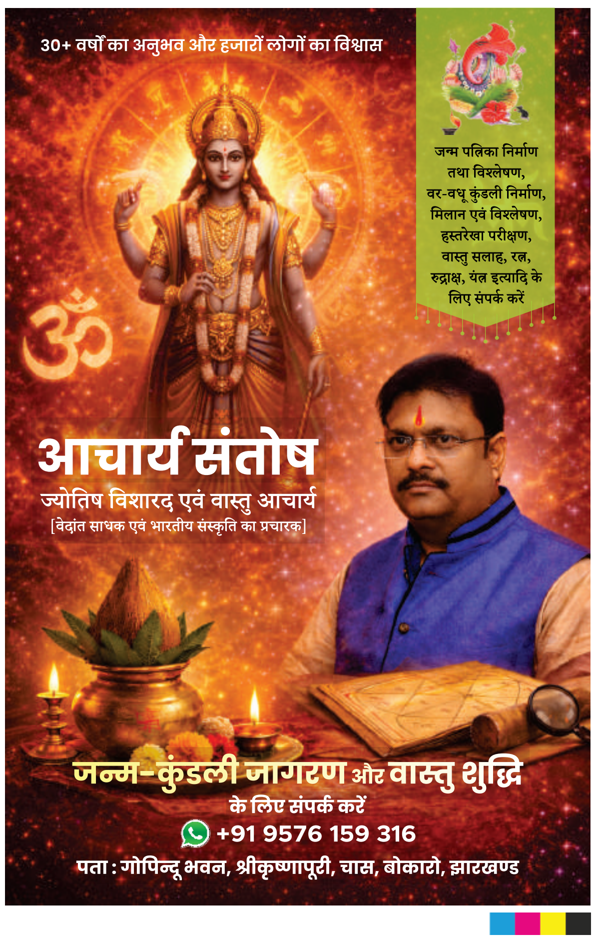

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

राधानगर थाना में लंबित मामलों की समीक्षा, सड़क सुरक्षा को लेकर भी किया गया जागरूक

साहिबगंज : राजमहल प्रभाग के पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन ने गुरुवार को राधानगर थाना में समीक्षा बैठक कर लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया। बैठक के दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र में लंबित केसों सहित अन्य मामलों की विस्तार से समीक्षा की और सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुसंधान में तेजी लाने और विधिसम्मत कार्रवाई पर विशेष जोर दिया।

समीक्षा बैठक में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एसआई जुमरती अंसारी, एएसआई सरफुद्दीन खान, सुनील मेहता, शिशिर कुमार यादव, मनोज पासवान, उमेश तिवारी, शासिकान्त यादव, श्रीलाल हांसदा सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे। पुलिस निरीक्षक ने सभी पदाधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों, हाट-बाजार, पंचायतों और प्रखंड स्तर के आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी भी दी गई। उपस्थित कर्मियों और नागरिकों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, यातायात संकेतों का सम्मान करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की शपथ ली। साथ ही आमजन को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया।

43वीं ऑल डीवीसी क्रिकेट प्रतियोगिता 27 से

बोकारो थर्मल : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए उत्साह की खबर है। इस वर्ष की 43वीं ऑल डीवीसी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन मैथन में किया जा रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ का आगाज 27 जनवरी को भव्य उद्घाटन के साथ होगा, जबकि खिताबी भिड़ंत (फाइनल मैच) 4 फरवरी को खेली जाएगी।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में डीवीसी के सभी प्रोजेक्टों की टीमें हिस्सा लेंगी और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। मैथन का मैदान इस अंतर-परियोजना मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है, जहां विभिन्न केंद्रों से आए कर्मचारी और खिलाड़ी मैदान पर पसीना बहाते नजर आएंगे।

लोडेड पिस्तौल लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के काराकाट गांव के मध्य विद्यालय खोहरी के समीप अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने गुरूवार को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान बन्दुआ निवासी मुख्तार आलम उर्फ मोकतार आलम (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चैनपुर पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली कि काराकाट गांव के मध्य विद्यालय खोहरी के समीप एक युवक अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गश्ती टीम को विद्यालय की ओर भेजा। यहां से एक मुख्तार आलम को पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा बरामद हुआ।

चैनपुर थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित ने पूछताछ में बताया है कि डेढ महीने पहले उसने खुद की सुरक्षा के लिए रांची के कुडू से देशी कट्टा और गोली खरीदी थी। वहीं मुख्तार ने अपनी जान का खतरा बताया है। इस मामले की पुलिस जांच कर रही है। कार्रवाई टीम में थाना प्रभारी के अलावा अन्य जवान शामिल थे।

लापता अंश और अंशिका को खोजने वाले बजरंग दल के युवकों को किया गया सम्मानित

बजरंगबली साक्षात बजरंग दल के बजरंगी के रूप में प्रकट हुए और बच्चों को खोज निकालाः रंगनाथ महतो

» विहिप झारखंड प्रांत अध्यक्ष, मंत्री सहित अन्य ने बजरंग दल के युवकों को सम्मानित किया

» जब उम्मीद लगी थी टूटने,तब बजरंग दल बना सहारा और बच्चों सुरक्षित खोज निकालाः रंगनाथ महतो

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : राजधानी रांची के धुर्वा से 2 जनवरी से लापता हुए दो मासूम भाई-बहन अंश कुमार राय और अंशिका कुमारी को खोजने में बजरंग दल के युवकों ने प्रमुख भूमिका निभाई है। दोनों मासूम बच्चों को चितरपुर प्रखंड के पहाड़िया जहाने क्षेत्र से बजरंग दल के युवकों बजरंग दल चितरपुर प्रखंड के संयोजक सचिन प्रजापति, डब्लू साहु, सन्नी नायक, राहुल कुमार, सुनील कुमार, अंशु कुमार सहित अन्य ने बुधवार को बरामद कर पुलिस को सौंपा। बजरंग दल के युवकों को सम्मानित करने के लिए विश्व हिंदू परिषद के द्वारा गुरुवार को रामगढ़ में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू परिषद प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत,प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष तिलक राज मंगलम, प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र,प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन, बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, प्रांत दुर्गा वाहिनी संयोजिका किर्ति गौरव उपस्थित रहे। बजरंग दल के युवकों को तिलक लगाकर, शॉल व भगवा वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बजरंग दल का जय घोष जय श्री राम ओम् का उच्चारण के साथ सभी युवकों का स्वागत किया गया। प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा बजरंग दल का ध्येय वाक्य सेवा, सुरक्षा,संस्कार को आत्मसात कर बजरंग दल के युवा समाजहित राष्ट्र हित के कार्य में निस्वार्थ भाव से लगे रहते हैं। इसी के परिणाम स्वरूप 12 दिन से लापता हुए बच्चों को बजरंग दल के ने अभियान चला कर खोज निकाला। प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा विश्व हिंदू परिषद ने मासिक बैठक में बच्चों की खोजबीन के लिए चर्चा कर कार्यकताओं को खोजबीन में लगाया था और सफलता भी मिली। जब भी देश और समाज को विपदा या संकट के समय विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल की आवश्यकता पड़ती है तो कार्यकर्ता हमेशा प्रथम पंक्ति में मदद के लिए खड़े रहते हैं।

जब उम्मीद लगी थी टूटने तब बजरंग दल बना सहाराः रंगनाथ महतो–बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा जब उम्मीद लगी थी टूटने तब बजरंग दल बना सहारा और बच्चों को सुरक्षित खोज निकाला,जिस दिन से अंश और अंशिका लापता हुए थे उसी दिन से उनके परिवार के लोग घर में बजरंग बाली के चित्र के समीप अखंड ज्योति जलाकर रखे थे। बजरंग दल के बजरंगी के रूप में बजरंगबली साक्षात प्रकट होकर बच्चों को खोज निकाले। देश विरोधी और वामपंथी लोग बजरंग दल को हमेशा नकारात्मक रूप से प्रस्तुत करने में लगे रहते हैं लेकिन बजरंग दल के युवा हमेशा सकारात्मक कार्य में लगे रहते हैं। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद रामगढ़ जिला अध्यक्ष संतू भाई मानिक,जिला मंत्री छोटू वर्मा,सह मंत्री तरुण वर्मा,जिला कोषाध्यक्ष अभम वर्मा,बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद थे।

उधवा में बकायादार उपभोक्ताओं पर कार्रवाई, सात के कटे बिजली कनेक्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले के उधवा प्रखंड में बिजली विभाग द्वारा बकायादार उपभोक्ताओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पांच हजार रुपए से अधिक बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है, ताकि राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जा सके।

गुरुवार को कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र के मनिहारी टोला, खासपुरा सहित अन्य इलाकों में अभियान चलाया। इस दौरान पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले कुल सात उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया।

बिजली विभाग की टीम ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं, उन्हें शीघ्र बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि बकाया भुगतान के बाद विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रसीद प्राप्त कर ही पुनः बिजली का उपयोग किया जाए।

अभियान के दौरान लाइनमैन रविंद्र मंडल, पूरन साहा, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, इस्लाम शेख सहित अन्य कर्मी मौजूद थे। बिजली विभाग ने संकेत दिया है कि बकायादार उपभोक्ताओं के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

मकर संक्रांति पर चिन्मय विद्यालय में गूंजा विष्णु सहस्त्रनाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मकर संक्रांति के पावन और पुनीत अवसर पर चिन्मय विद्यालय, बोकारो के प्रांगण में भक्ति की अविरल धारा बही। गुरुवार को विद्यालय परिसर में श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु के एक हजार नामों का जप कर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन और पूजन चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

समारोह की शुरुआत भगवान विष्णु के दिव्य आवाहन और मंगल आरती के साथ हुई। स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने उपस्थित सभी भक्तों को संकल्प दिलाया और षोडशोपचार विधि से श्री हरि की पूजा संपन्न कराई। इस दौरान उन्होंने मकर संक्रांति के आध्यात्मिक महत्व और भगवान विष्णु की अनंत महिमा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार यह पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का संदेश देता है। पूजन के मुख्य आकर्षण श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ के दौरान एक अनूठी परंपरा देखने को मिली। भक्तों ने भगवान के प्रत्येक नाम के उच्चारण के साथ एक-एक पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। सहस्त्रों पुष्पों से सुसज्जित भगवान का विग्रह अत्यंत मनोहारी प्रतीत हो रहा था। इस धार्मिक अनुष्ठान में विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा और उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पाठ के समापन पर विष्णु जी की महाआरती की गई, जिसके उपरांत स्वामिनी जी ने सभी को प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया। भक्तिमय वातावरण और मंत्रों की गूँज से पूरा विद्यालय परिसर पावन हो उठा। अंत में सभी ने एक-दूसरे को मकर संक्रांति की बधाई देकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

हाट परिसर में 15वें दिन सड़क सुरक्षा चौपाल, लोगों को किया गया जागरूक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 15वें दिन हटिया बाजार के हाट परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत सड़क सुरक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की समय पर मदद कर जीवन बचाने के प्रति लोगों को प्रेरित करना और उन्हें नेक नागरिक की भूमिका निभाने के लिए जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों, हाट-बाजार, पंचायतों और प्रखंड स्तर के आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। सभी उपस्थित कर्मियों और नागरिकों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, यातायात संकेतों का सम्मान करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की शपथ ली। साथ ही आमजन को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया।

मौके पर मौजूद एमबीआई कुमार उत्कर्ष और अभिषेक मुंडा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वयं यातायात नियमों का पालन करे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे।

कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी साझा की गई, ताकि सुरक्षित यातायात संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

इस अवसर पर एमबीआई कुमार उत्कर्ष और अभिषेक मुंडा के साथ जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मी भी मौजूद थे।

बीएसएल में तकनीकी कौशल निखारने की कवायद

» एबीबी ड्राइव्स पर तीनदिवसीय विशेष प्रशिक्षण शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) अपने कार्यबल को आधुनिक तकनीक से लैस करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग (एल एंड डी) की ऑटोमेशन लैब में संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं गैर-अधिकारियों के लिए एबीबी ड्राइव्स (डीसीएस 800) पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। 17 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र में संयंत्र के अनुभवी विशेषज्ञ प्रतिभागियों को तकनीकी बारीकियों से अवगत कराएंगे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (एसएमएस- 2 एवं सीसीएस) श्री त्रिभुवन प्रसाद वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) बसंत कुमार सिंह तथा महाप्रबंधक (ईटीएल) हरिहर राउत उपस्थित रहे। सत्र की शुरुआत में प्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) जय नारायण यादव ने सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री त्रिभुवन प्रसाद वर्मा ने डीसीएस 800 ड्राइव के तकनीकी महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस गहन प्रशिक्षण से कर्मियों की तकनीकी समझ गहरी होगी और वे जटिल समस्याओं (ट्रबलशूटिंग) का समाधान स्वयं करने में सक्षम बनेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीकी रूप से सशक्त कार्यबल ही संयंत्र की उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि ला सकता है।

महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) बसंत कुमार सिंह ने आज के बदलते दौर में निरंतर कौशल-संवर्धन को अनिवार्य बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञानार्जन विभाग कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता रहेगा। वहीं, महाप्रबंधक (ईटीएल) हरिहर राउत ने ईटीएल परिचालनों में इस ड्राइव के व्यावहारिक उपयोग पर अपने अनुभव साझा किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से बीएसएल के विभिन्न विभागों के कर्मियों को तकनीकी रूप से अपडेट होने का एक महत्वपूर्ण मंच मिला है।

एक्सएलआरआई में अंतरराष्ट्रीय एथिक्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। एक्सएलआरआई–जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में तीसरे अंतरराष्ट्रीय एथिक्स कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन गुरुवार को किया गया। जेआरडी टाटा फाउंडेशन फॉर बिजनेस एथिक्स की ओर से आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय रीइमैजिनिंग बिज़नेस एंड लीडरशिप, एथिक्स, सस्टेनेबिलिटी एंड द फ्यूचर ऑफ रिस्पॉन्सिबल ग्रोथ था। सम्मेलन का उद्देश्य भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में नैतिक नेतृत्व, सतत विकास और जिम्मेदार व्यापार मॉडल पर गहन विमर्श को बढ़ावा देना था।

सम्मेलन का शुभारंभ डीन (एडमिन) डॉ फादर डोनाल्ड डीसिल्वा, एसजे के स्वागत उद्बोधन से हुआ। औपचारिक उद्घाटन करते हुए एक्स एल आर आई के निदेशक डॉ फादर जॉर्ज सेबास्टियन, एसजे ने कहा कि वास्तविक नेतृत्व आक्रामक प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि करुणा, नैतिक विवेक और ईमानदारी से जन्म लेता है। डीन (एकेडमिक्स) डॉ संजय पात्रो और जेआरडी टाटा फाउंडेशन फॉर बिजनेस एथिक्स के चेयरमैन डॉ फादर जोसेफ मैथ्यू, एसजे ने मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया।

बीएसएल में ठेकाकर्मियों की सुरक्षा को लेकर मंथन, ली गई शपथ

» जीरो एक्सीडेंट का लक्ष्य तय, कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को अनिवार्यता पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के परियोजना डिवीजन ने कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को शून्य करने और सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। डिवीजन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस विशेष सुरक्षा मंथन कार्यक्रम में बीएसएल के आला अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर्स ने गुरुवार को एक साथ बैठकर कार्यस्थल की चुनौतियों और सुरक्षा मानकों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता ने किया।

समारोह की शुरुआत उपस्थित सभी अधिकारियों और ठेकेदारों द्वारा ली गई सुरक्षा प्रतिज्ञा के साथ हुई, जिसके माध्यम से काम से पहले सुरक्षा को सर्वोपरि रखने का संकल्प दोहराया गया। मुख्य अतिथि अनीश सेनगुप्ता ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) की अहमियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट रूप से आह्वान किया कि प्रत्येक कर्मचारी कार्यस्थल पर पीपीई किट का न केवल नियमित उपयोग करे, बल्कि उसका सही तरीके से उपयोग करना भी सुनिश्चित करे।

मंथन के दौरान मुख्य महाप्रबंधक एनिमा कुशवाहा ने कॉन्ट्रैक्टर्स और सब-कॉन्ट्रैक्टर्स से सीधा संवाद करते हुए अपील की कि वे अपने अधीन कार्यरत संविदा कर्मियों को उच्च गुणवत्ता वाले सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में कोई कोताही न बरतें। वहीं, मुख्य महाप्रबंधक श्री पी एच शर्मा ने बेहतर हाउसकीपिंग और संभावित खतरों की पहचान की तकनीक पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाकर ही जोखिमों का मूल्यांकन और प्रबंधन किया जा सकता है।

मुख्य महाप्रबंधक एच टोप्पो ने संविदा कर्मियों की सतर्कता को सुरक्षा की पहली कड़ी बताया और हर गतिविधि को सावधानीपूर्वक करने की अपील की। कार्यक्रम का कुशल संचालन महाप्रबंधक (परियोजना) राजेश शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर परियोजना सुरक्षा विभाग के अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह मंथन कार्यक्रम बीएसएल की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत उत्पादन के साथ-साथ मानव जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में 1 फरवरी को पासवान परिवार का जिला स्तरीय पिकनिक व मिलन समारोह

बोकारो। बाबा चौहरमल और राजा सहलेश को नमन करते हुए बोकारो पासवान परिवार समाज ने 1 फरवरी को पुराना बसंत मेला मैदान, सिटी पार्क में जिला स्तर का पिकनिक सह मिलन समारोह तथा वानभोज कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है।

इस भव्य आयोजन में बोकारो शहर के अलावा गोमिया, बेरमो, कटहरा, चंद्रपुरा, चांदनकायरी, बांधडीह समेत सभी प्रखंडों से पासवान बंधु भाग लेंगे। बोकारो पासवान परिवार के अध्यक्ष मनोज कुमार पासवान ने बताया, "हम हर प्रखंड में जाकर इस भव्य आयोजन का निमंत्रण दे रहे हैं, ताकि कोई भी पासवान समाज का सदस्य इससे वंचित न रहे। संगठन की मजबूती और समाज की एकजुटता को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजन की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि इस मिलन से हमारे बंधुओं में आपसी भाईचारा और सामाजिक जागरूकता बढ़े,

तथा भविष्य में सामूहिक प्रयासों से क्षेत्रीय विकास में योगदान दें।"समाज के अनेक सम्मानित एवं गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में नवगठित सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष मनोज पासवान ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल, सफल और समाज हितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

कपड़ा दुकान मालिक ने की आत्महत्या, थैलेसीमिया पीड़ित पुत्री को छोड़ गए पीछे

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन के समीप डीवीसी मार्केट के प्रतिष्ठित व्यवसायी और लोकनाथ ड्रेसेज के मालिक 35 वर्षीय सपन पाल ने गुरुवार को अपने आवास में फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। इस हृदयविदारक घटना से स्थानीय बाजार और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे सपन पाल अपनी दुकान बंद कर पास ही स्थित अपने घर खाना खाने गए थे। घर पहुंचने के कुछ ही देर बाद उन्होंने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और आसपास के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए।

अभी तक आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। सपन पाल अपने पीछे पत्नी और एक मासूम पुत्री को छोड़ गए हैं। अत्यंत दुखद बात यह है कि उनकी पुत्री 'थैलेसीमिया' जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही है, जिसका उपचार चल रहा था। एक हंसते-खेलते व्यवसायी द्वारा उठाए गए इस आत्मघाती कदम से हर कोई स्तब्ध है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है, ताकि घटना के पीछे की असल वजह सामने आ सके।

भारतीय सेवा दिवस पर डीएवी सेक्टर-4 में पूर्व सैनिकों का सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय सेवा दिवस के अवसर पर गुरुवार को डीएवी सेक्टर-4 में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय सेवा में योगदान दे चुके पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके शौर्य, समर्पण और देश के प्रति कर्तव्यपरायणता को नमन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय सेवाओं की गरिमा, राष्ट्रीयता और राष्ट्रभक्ति के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में भारतीय सेवा से सेवानिवृत्त एस के सिंह (सेवाकाल 1965–71), जसवंत सिंह (2001 में इंडियन आर्मी से सेवानिवृत्त, कारगिल युद्ध के योद्धा), मनोज कुमार झा (आर्मी मेडिकल कोर से सेवानिवृत्त), राजीव कुमार (इंडियन नेवी से सेवानिवृत्त), कार्तिक कुमार (2009 में इंडियन आर्मी से सेवानिवृत्त) और राकेश मिश्रा (इंडियन नेवी से सेवानिवृत्त) उपस्थित रहे। सभी पूर्व सैनिकों ने प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव और विचार साझा किए।

विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सभी पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। एस के सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें मां भारती की सेवा का अवसर मिलना उनका सौभाग्य रहा है। उन्होंने कहा कि सीमाओं की रक्षा करते हुए कई सैनिक अपने प्राणों की आहुति देते हैं और युवापीढ़ी को उनके जीवन से अनुशासन और सच्ची राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा लेनी चाहिए।

पूर्व सैनिक मनोज कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रधर्म ही सर्वोच्च धर्म है और प्रत्येक भारतीय के भीतर अपनी जन्मभूमि के प्रति निःस्वार्थ समर्पण और त्याग की भावना होना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से देश के प्रति अपने दायित्वों को समझने का आह्वान किया।

प्राचार्य एसके मिश्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि यह दिवस जल, थल और वायु सेवा में कार्यरत और सेवानिवृत्त सभी सैनिकों के सम्मान को समर्पित है। उन्होंने सैनिकों के त्याग, बलिदान, राष्ट्रप्रेम और पराक्रम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्वयं को एक सच्चे भारतीय नागरिक के रूप में विकसित करें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ किया गया।

रामलखन टुंगरी मेला स्थल का समिति ने कराया समतलीकरण

» 16 एवं 17 जनवरी को होगा टुसु मेला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मंजूरा स्थित रामलखन टुंगरी मेला की व्यापक रूप से तैयारी चल रही है। गुरुवार को समिति के पदाधिकारियों ने युवा समाजसेवी प्रकाश कुमार के नेतृत्व में मेला स्थल का जेसीबी से समतलीकरण का कार्य करवाया। उन्होंने बताया कि 16 एवं 17 जनवरी को रसमलखन टुंगरी मेला में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इसके अलावा सैकड़ों टुसु का भी विसर्जन किया जाएगा। मेला समिति की ओर से आकर्षक टुसु को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

मालूम हो कि रामलखन टुंगरी में भगवान श्रीराम के कथित पदचिन्हों की पूजा अर्चना भी होती है। जिसमें हजारों की संख्या में झारखंड बंगाल से ग्रामीणों की भीड़ जुटती है। इस स्थल पर एक मंदिर के अलावा इस परिसर में दर्जनों मूर्तियों की भी पूजा अर्चना होती है। मेला कमिटी की ओर से विधि व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिए वोलेंटियर भी तैनात किया गया है। साथ हीं शांति व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन भी मौजूद रहते हैं। मौके पर प्रकाश कुमार, संजय प्रजापति, बासुदेव प्रजापति, जयंत जायसवाल, विनोद प्रजापति, पुसू घांसी, मंटू राम तुरी, धनेश्वर महतो, साधु महतो व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

दांतू का खेलाचंडी मेला है हमारी सांस्कृतिक विरासत : लक्ष्मण नायक

» मकर संक्रांति मेला में मिट्टी के खिलौने व ईख की हुई जमकर बिक्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के एनएच किनारे स्थित दांतू हाई स्कूल मैदान में गुरुवार को मकर संक्रांति के अवसर पर पारंपरिक खेलाचंडी मेले का आयोजन किया गया। सुबह से ही मेले में लोगों की चहल-पहल शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक बनी रही। कतारी, मिट्टी के खिलौने, घरेलू जरूरतों के सामान और रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही।

दांतू सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मेले का आनंद लेने पहुंचे। महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी से मेले का माहौल खासा जीवंत नजर आया।

बच्चों ने खिलौनों और खेल सामग्री की खरीदारी की, वहीं महिलाओं ने घर-गृहस्थी से जुड़ी वस्तुओं की खूब खरीदारी की। मौके पर जिला बीस सूत्री कमिटी के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक ने मेला कमेटी और ग्रामीणों को मकर संक्रांति एवं टुसू पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलाचंडी मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत है।

ऐसे आयोजन ग्रामीण संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं और लोगों को आपसी मेल-जोल का अवसर देते हैं। मेले में मुखिया चंद्रशेखर नायक, पंचायत समिति सदस्य नागेंद्र नायक, महेंद्र सिंह, मुरलीधर नायक, अध्यक्ष मोहन कुमार, अजय कुमार, मोहन कुमार नायक, चंदन भारत, अजीत दसौंधी, गंगा सागर, हुलास नायक, कामदेव सिंह, अजय सिंह, दीपनारायण नायक, अक्षय दसौंधी, नरेश नायक, अशोक कुमार, शिवशंकर नायक, आशीष रविदास, विमल प्रसाद नायक, विवेकानंद, सहदेव नायक, मिथिलेश नायक सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

नेशनल गतका स्कूल गेम्स में एमजीएम स्कूल के खिलाड़ी दिखाएंगे हुनर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार के विद्यार्थी स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित नेशनल गतका एसजीएफआई स्कूल गेम्स में हिस्सा लेंगे। यह राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता 17 से 22 जनवरी तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित की जाएगी, जिसमें झारखंड राज्य की टीम की ओर से एमजीएम स्कूल के छह खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

विद्यालय के प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस ने बताया कि शौर्य, देवराज, तेजस्वी नारायण, रिया सिंह, ऋषिका कुमारी और माया कुमारी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे और बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है और इसके लिए मजबूत आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई गई है।

प्राचार्य ने बताया कि शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय के विद्यार्थी राज्य और राष्ट्र स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार पदक जीत रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ कोच विनायक वैभव और झारखंड सरकार की ओर से संजय यादव भी मौजूद रहेंगे।

प्रतियोगिता से पहले सभी खिलाड़ियों के लिए झारखंड सरकार की ओर से रांची के खेल गांव में 12 दिनों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जहां राज्य के गतका प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद खिलाड़ी अपने प्रशिक्षकों के साथ रायपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हो गए।

इस अवसर पर उप प्राचार्य राखी बनर्जी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, शैक्षिक निदेशक जार्ज जोसफ, खेल प्रशिक्षक राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, वंदना कुमारी, पूनम कुमारी, मोहसिन, सौरभ कुमार सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मृगखोह और दुर्गापुर के टुसू मेला में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार, प्रतिनिधि । कसमार प्रखंड के मृगखोह, दुर्गापुर बड़ पहाड़ एवं चड़रिया टुंगरी में मकर संक्रांति के अवसर पर गुरुवार को टुसू मेला का आयोजन हुआ। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृग खोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, टुसू प्रतियोगिता, मुर्गा लड़ाई और रावण दहन जैसे आकर्षक आयोजित हुए। पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वहीं सूबे के पेयजल व स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि ऐसे पारंपरिक मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए मेला समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मेला में काफी संख्या में महिलाएं और युवतियां अपने टुसू चौड़ल के साथ प्रतियोगिता में शामिल हुई। टुसू प्रतियोगिता में श्रेष्ठ टुसू लाने वाले समूहों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पूर्व विधायक की धर्मपत्नी कौशल्या देवी, मेला कमेटी के त्रिलोचन चंद्र देव (अध्यक्ष), काशीनाथ महतो, अजीत कुमार

महतो, शंकर महतो, सतीश चंद्र महतो, सुशील महतो के अलावा संरक्षण समिति के भुवनेश्वर महतो, कुलदीप कुमार करमाली, दिलीप कुमार महतो, कालीचरण महतो, गणेश करमाली, आनंद महतो, राजेश कुमार टुडू, धनंजय महतो, रमेश कुमार महतो, शिवचरण महतो, दिनेश्वर महतो, मंगरु महतो, संजय कुमार महतो, अशोक महतो, दीप नारायण महतो, प्रकाश कुमार महतो, लालबाबू महतो आदि मौजूद थे। इधर, दुर्गापुर में झूमर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन गया गया।

मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश्वर महतो, सहदेव महतो, सृष्टिधर महतो, फुलेश्वर महतो, परमेश्वर महतो, संतोष कुमार महतो, कपिल महतो, संरक्षक स्थानीय मुखिया अमरेश कुमार महतो, उपमुखिया पंचानन महतो और पूर्व उपमुखिया भीम प्रसाद महतो के अलावा भुवनेश्वर महतो, संदीप महतो, सचिन कुमार, शिधेश्वर महतो, कामदेव प्रसाद, विवेक कुमार, उमेश कुमार, देवेंद्र कुमार, अशोक कुमार, कमलेश, रविंद्र, सुधीर करमाली, अर्जुन महतो, महेश महतो, सुधीर महतो, ठाकुर महतो सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

खैराचातर के समाजसेवी यादव चंद्र दे का निधन, क्षेत्र में शोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के प्रमुख नियोति कुमारी के चाचा ससुर व खैराचातर के समाजसेवी सेवानिवृत्त कोल इंडिया कर्मी यादव चंद्र दे (72 वर्षीय) का बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उनके आवास पर पहुंचे और अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बताया जाता है कि यादव चंद्र दे 12 साल पूर्व कोल इंडिया के वीणा प्रोजेक्ट नोर्थ उत्तर प्रदेश से सेवानिवृत्त होने के बाद से खैराचातर गांव में रहकर सामाजिक कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। स्व यादव चंद्र दे का इकलौता पुत्र घनश्याम दे हैदराबाद में एनएमडीसी में एजीएम के पद पर कार्यरत हैं। उनका दाह-संस्कार गुरूवार को विदाहा नदी में किया गया। उनके निधन पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद, कसमार

प्रमुख नियोति कुमारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, लोकेश कुमार दे, रंजन दे, सुजय दे, मुखिया विजय जायसवाल, पूर्व मुखिया रामसेवक जायसवाल, महादेव चंद्र दे, सिकंदर कपरदार, राजेश राय, शिवराम अड्डी, आनंद दे, रामकन्हाई दे, देवाशीष दे, देवदीप दे व अन्य लोगों ने शोक जताया है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं स्थानीय प्रशासन की पहल पर 24 घंटे बाद टूटा सड़क जाम

» मृतक राजन महतो के आश्रित को मिला एक लाख रुपये मुआवजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मंजूरा पंचायत के सोखाडीह निवासी राजन महतो की सड़क दुर्घटना में मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार शाम चार बजे से कसमार खैराचातर मुख्य सड़क को जाम कर दिया था। सूबे के मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं प्रशासन की पहल पर एक लाख रुपये की नगद मुआवजा राशि देने के बाद 24 घंटे का सड़क जाम टूटा। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि शेरे आलम, जरीडीह सर्किल इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह, कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, तेनुघाट ओपी थाना प्रभारी भजन लाल महतो समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। मालूम हो कि राजन महतो चार दिनों पूर्व एक वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के क्रम में बुधवार को जब उसने

दम तोड़ दिया तो पोस्टमॉर्टम के बाद शव आते ही आक्रोशित परिजन व ग्रामीणों ने बीच सड़क पर शव रखकर रोड जाम कर दिया था। 24 घंटे के सड़क जाम में कसमार तीनकोनिया चौक से मंजुरा बस्ती तक लगभग दो किमी तक मालवाहक गाड़ियों समेत अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। इधर 24 घंटे के दरम्यान आजसू, जेएलकेएम, जेएमएम पार्टी से जुड़े नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के माध्यम से एचजी इंफ्रा कंपनी पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जाम टूटने व मुआवजा दिलाने को लेकर कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। आखिर सूबे के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने इस मामले में हस्तक्षेप किया एवं वे अपनी ओर से 50 हजार व स्थानीय प्रशासन की ओर से 50 हजार यानी कुल एक लाख रुपए की नगद मुआवजा राशि मृतक राजन महतो की पुत्री संगीता कुमारी को दी। इसके अलावा मृतक के आश्रित को आउटसोर्सिंग के तहत नियोजन की प्रक्रिया शुरू करने की सहमति पत्र देने के बाद 24 घंटे से जारी सड़क जाम टूटा। इसके अलावा मृतक

के आश्रित को सरकारी प्रावधान के अनुरूप सड़क दुर्घटना की मुआवजा राशि दिलाने की पहल करने से संबंधित लिखित सहमति पत्र प्रशासन की ओर से दिया गया। इधर सड़क जाम टूटते ही मृतक राजन के शव को उठाकर परिजन घर ले गए एवं खांजो नदी के श्मशान घाट में दाह संस्कार कर दिया। इसके अलावा एएसआई रोजिद आलम, मृतक की पत्नी नीलम देवी, मिथिलेश महतो, रेखा कुमारी, महेश महतो, राजेश कुमार महतो, प्रकाश प्रजापति, सुधीर महतो, वंशी महतो, मनोज महतो, रिजवान अहमद, ब्रजेश कुमार महतो, मनसु महतो, संतोष महतो, मुन्ना अंसारी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पूर्वी टुंडी (धनबाद): धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड से विकास के दावों के बीच भ्रष्टाचार की एक गंभीर तस्वीर सामने आ रही है। बड़बाद से बारकेतनी तक डीएमएफटी फंड से बन रही सड़क में बरती जा रही भारी अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक (ठेकेदार) द्वारा सड़क निर्माण के मानकों की अनदेखी की जा रही है। बार-बार चेतावनी के बावजूद सुधार न होने पर ग्रामीणों ने बैठक कर अब धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन को लिखित शिकायत सौंपने का निर्णय लिया है।

ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि जिस सड़क के लिए उन्होंने कभी 'वोट बहिष्कार' तक किया था, आज वही सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। न तो सही जगह पर गाइडवाल और कलभर्ट बनाए जा रहे हैं और न ही गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि बाहर से अच्छी सामग्री लाने के बजाय खेत की मिट्टी से ही सड़क की भराई की जा रही है।

सड़क की चौड़ाई मानकों के अनुरूप नहीं है, जिससे यह संकीर्ण होती जा रही है। संवेदक को बार-बार बोलने के बावजूद कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं किया गया।

बैठक में शामिल सभी ग्रामीणों ने की हमलोग एकजुट होकर डीसी आदित्य रंजन से जांच और उचित कार्रवाई की मांग करेंगे।

वही रघुनाथपुर पंचायत के पूर्व मुखिया सुनील कुमार ने कहा "हमने सालों तक सड़क के लिए संघर्ष किया, वोट का बहिष्कार किया तब जाकर यह योजना मिली। लेकिन संवेदक अपनी मनमानी कर रहा है। जहां कलभर्ट की जरूरत है वहां काम नहीं हो रहा और गुणवत्ता तो पूरी तरह गायब है। हम चुप नहीं बैठेंगे और डीसी साहब को इसकी पूरी रिपोर्ट देंगे।"

गोमिया मस्जिद मोहल्ला में संदिग्ध गतिविधियों से दहशत, लोग दे रहे पहरा

गोमिया (बोकारो) : गोमिया प्रखंड के पश्चिम ससबेड़ा अंतर्गत मस्जिद रोड मोहल्ला इन दिनों एक अनजाने डर के साये में जीने को मजबूर है। पिछले कई दिनों से इलाके में देखी जा रही संदिग्ध गतिविधियों ने स्थानीय लोगों की रातों की नींद और दिन का चैन छीन लिया है। आलम यह है कि किसी अनहोनी की आशंका से डरे सहमे लोग अब रात-रात भर जागकर अपने घरों और गलियों की रखवाली (निगरानी) कर रहे हैं।

स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से एक अज्ञात व्यक्ति रात के सन्नाटे में, विशेषकर 12 से 2 बजे के बीच सक्रिय हो जाता है। यह संदिग्ध व्यक्ति अक्सर सुनसान बाउंड्री के पास खड़ा रहता है या गलियों में छिपकर घूमता हुआ दिखाई देता है। दहशत तब और बढ़ गई जब कुछ घरों के दरवाजों पर आधी रात को दस्तक दी गई, लेकिन बाहर से पूछने पर कोई जवाब नहीं मिला। इस रहस्यमयी व्यवहार ने मोहल्ले वासियों को गहरी चिंता में डाल दिया है। लोगों को अंदेशा है कि यह किसी बड़ी चोरी या आपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले की गई रेकी हो सकती है।

असुरक्षा के इस माहौल में अब ग्रामीणों ने आपसी तालमेल बनाकर बारी-बारी से जागकर पहरा देना शुरू कर दिया है। मस्जिद रोड मोहल्ला के लोगों ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस से गुहार लगाई है कि क्षेत्र में रात के समय गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने इस संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उचित कार्रवाई नहीं की, तो कोई अप्रिय घटना घट सकती है। फिलहाल, पूरा मोहल्ला खौफ के साये में है और पुलिस की प्रभावी कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

मानवता-सेवा के साथ मनाएंगे नेताजी जयंती, रक्तदान शिविर 23 को

बोकारो : नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर आगामी 23 जनवरी को बोकारो सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में वेडआरएनएम केयर फाउंडेशन की ओर से वृहत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक के अलावा समाज के विभिन्न तबके के लोग रक्तदान करेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए फाउंडेशन की निदेशक निभा चौधरी ने कहा कि हर साल की भांति इस बार भी रक्तदान के जरिए मानवता की सेवा के साथ नेताजी की जयंती मनाई जाएगी।

उन्होंने समाज के हर तबके के लोगों से अधिकाधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान के महादान का सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा में किसी की प्राण-रक्षा का इससे बड़ा माध्यम और इससे बड़ी सेवा कोई और नहीं हो सकती। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे राष्ट्रनायकों को तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी जब हम मानवता की सेवा करेंगे और एक स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। श्रीमती चौधरी ने कहा कि फाउंडेशन सामाजिक उत्तरदायित्व का शुरू से निर्वहन करता रहा है और यह आयोजन इसी की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। शिविर का आयोजन प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक किया जाएगा।

परिवहन विभाग व ट्रैफिक पुलिस के प्रयास से अनाधिकृत नंबर प्लेट वाली महिन्द्रा स्कॉर्पियो जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः गुरुवार को परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त प्रयास से अनाधिकृत नंबर प्लेट और शीशे पर ब्लैक फिल्म लगी एक महिन्द्रा स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया गया है। जब्त स्कॉर्पियो का वास्तविक रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 10 सीएस 0304 है। लेकिन इसके ऑनर ने वाहन पर अनाधिकृत नंबर प्लेट लगाई थी। समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से यह मामला उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के संज्ञान में आया था।

मामला संज्ञान में आते ही उपायुक्त ने इसकी गहनता से पड़ताल कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तत्पश्चात धनबाद ट्रैफिक पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। सबसे पहले जिला परिवहन कार्यालय से वाहन के रजिस्ट्रेशन से संबंधित दस्तावेजों की जांच कराई गई, जिसके आधार पर वाहन मालिक की पहचान की गई।

जांच पूरी होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया स्थित महावीर नगर में वाहन मालिक के आवास पर छापेमारी की। इस दौरान काले शीशे और अनाधिकृत नंबर प्लेट वाली उक्त स्कॉर्पियो को बरामद कर लिया गया। वाहन को मौके से जब्त कर ट्रैफिक थाना लाया गया।

इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने बताया कि अनाधिकृत नंबर प्लेट लगे वाहन के ऑनर को ट्रेस करने के लिए जेएच 10 की कई सिरीज में 0304 नंबर का डाटा निकाला गया। तत्पश्चात इसमें से 0304 नंबर के ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो को खोजा गया।

उन्होंने कहा कि किसी भी वाहन पर अनाधिकृत नंबर प्लेट लगना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। यह सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी खतरनाक है। सरकार ने 2019 के बाद से हर वाहन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य किया है। कोई भी वाहन मालिक इसका उल्लंघन नहीं कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वाहन में ब्लैक फिल्म लगाना भी मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी से अनुरोध किया है कि वे अपने वाहन में ब्लैक फिल्म नहीं लगायें। पॉल्यूशन, फिटनेस सहित अन्य कागजातों को दुरुस्त रखें। वाहन चलाते समय इसका अनुसरण करें। कहा कि जब्त वाहन में इसका आकलन कर जितने नियमों का उल्लंघन किया है तदनुसार वाहन मालिक पर जुर्माना लगाया जाएगा।

वहीं ट्रैफिक डीएसपी अरविन्द सिंह ने बताया कि जब्त वाहन महेश कुमार के नाम से पंजीकृत है। वाहन को विधिवत जब्त कर लिया गया है और मोटर व्हीकल अधिनियम के प्रावधानों के तहत आगे की दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैफिक डीएसपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। बताया कि काले शीशे, अनाधिकृत या फैंसी नंबर प्लेट और अन्य अवैध परिवर्तनों वाले वाहनों को चिन्हित कर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सिनेमा हॉल के पास लावारिस बाइक को पुलिस ने किया जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

राजगंज (धनबाद): राजगंज पुलिस ने गुरुवार को दलुडीह सिनेमा हाल के समीप से लावारिस हालत में पड़ी बाइक को जब्त किया। बताया जा रहा है की बाइक में सेंटर लॉक और स्टैंड लॉक लगा हुआ है। सिनेमा हॉल के गार्ड के अनुसार बुधवार करीब 3:30 बजे एक 14-15 साल के लड़के द्वारा बाइक यहां खड़ा किया गया और बाइक को लॉक कर राजगंज बाजार की ओर चला गया। रात भर बीतने के बाद गुरुवार की सुबह वह अपनी बाइक की तलाश में पुनः सिनेमा हॉल पहुंचा, मगर वहां बाइक नहीं मिलने से किसी को बिना कुछ बोले और पूछे कहीं चला गया। लगभग 24 घंटे बीतने के बाद उसके तलाश में उसके परिजन राजगंज थाना पहुंचे।

परिजनों के अनुसार बच्चे का नाम जियाउल है और अपने मामा घर काच्छो टोला झरना, राजदेरवा बोकारो मे रहकर 8 वी कक्षा मे पढाई कर रहा है। बुधवार को करीब 12:30 बजे वह टीवीएस राइडर बाइक लेकर बोकारो थर्मल की ओर जाने के लिए निकला था मगर माना जा रहा है की भटक कर वह राजगंज पहुंच गया। गाड़ी में तेल खत्म होने के कारण बाइक को सिनेमा हॉल में खड़ी कर कहीं चला गया। 8-10 की संख्या में उसके तलाश में परिजन राजगंज का चक्कर लगा रहे है। साथ ही अपने सभी नाते रिश्तेदारों से उसकी जानकारी लेने का प्रयास किया जा रहा है।

बाघमारा बाजार में बच्चा चोरी का प्रयास, महिला हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): बाघमारा बाजार के इंदिरा चौक पर गुरुवार दोपहर बच्चा चोरी का प्रयास हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जामाडोबा जोड़ापोखर की रहनेवाली हेमंती देवी अपने 9 वर्षीय पुत्र रियोन राज के साथ खानुडीह स्टेशन से उतरकर टेम्पो चालक से बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान एक अनजान महिला ने बच्चे को अपना पुत्र बताते हुए छीनने की कोशिश की। मां और महिला के बीच चीख-पुकार तथा बच्चे के रोने की आवाज सुनकर मौके पर भीड़ जुट गई। उपस्थित लोगों ने तुरंत बाघमारा पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर थाने लाई। प्रथमदृष्टया उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं प्रतीत हो रही है। थाना प्रभारी ने महिला को मेडिकल जांच हेतु धनबाद सिविल सर्जन के पास भेजा है। पुलिस का कहना है कि

महिला वास्तव में मानसिक रूप से बीमार है या यह कोई नाटक है, यह जांच का विषय है।

घटना ने बाघमारा और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

आर्थिक रूप से कमजोर महिला को मिला नया जीवन, निःशुल्क हुआ जटिल ऑपरेशन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सदर अस्पताल में आर्थिक रूप से कमजोर एक महिला का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसकी जानकारी देते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि बिहार के नवादा जिला अंतर्गत कादिरगंज क्षेत्र की रहने वाली 53 वर्षीय सीता देवी, पति छोटे लाल राजवंशी, गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही थीं। उन्हें लंबे समय से माहवारी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था, जिसके कारण शरीर में खून की भारी कमी हो गई थी। जांच में उनका हीमोग्लोबिन मात्र 7.6 ग्राम पाया गया और वे अत्यधिक कमजोर हो चुकी थीं।

आर्थिक तंगी के कारण वे निजी अस्पताल में इलाज कराने में असमर्थ थीं। आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद आसपास कोई ऐसा अस्पताल नहीं था जहाँ वे इलाज करा सकें। सीता देवी के पति बोरा सिलने का कार्य करते हैं, जबकि उनकी बेटी सदर अस्पताल में सफाई कर्मी के रूप में कार्यरत है। बेटी को जानकारी मिलने पर

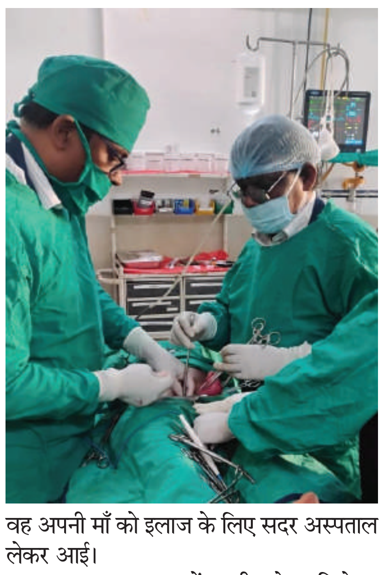

वह अपनी माँ को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आई।

सदर अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.संजीव द्वारा जांच के बाद गर्भाशय में गांठ (फाइब्रॉयड) की पुष्टि हुई। मरीज की स्थिति को देखते हुए पहले दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया, तत्पश्चात दिनांक 15 जनवरी 2026 को डॉ. संजीव के नेतृत्व में सफलतापूर्वक हिस्टेरेक्टॉमी ऑपरेशन किया गया।

ऑपरेशन के बाद सीता देवी की हालत सामान्य और स्थिर है। इस ऑपरेशन में निश्चेतक डॉ. राज कुमार, ओटी सहायक मधुसूदन मरांडी एवं शशिकांत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला के परिजनों ने बताया कि यदि यह ऑपरेशन बाहर कराया जाता तो 40 से 50 हजार रुपये तक का खर्च आता, जो उनके लिए संभव नहीं था। सीता देवी एवं उनके परिवार ने जिला प्रशासन, सदर अस्पताल और चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इससे पूर्व दिनांक 8 जनवरी 2026 को एक अन्य महिला कांति देवी की भी सदर अस्पताल में सफल हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी की गई थी। कांति देवी के गर्भाशय में भी गांठ पाई गई थी, जिसके कारण उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ थीं। ऑपरेशन के बाद कांति देवी पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी के समय काफी प्रसन्न नजर आईं।

रेलकर्मी की हत्या का सनसनीखेज खुलासा, अपनों ने ही दिया था घटना को अंजाम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः शहर के पम्पू तालाब में मिले रेलकर्मी बीरबल के शव मामले में पुलिस ने बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि इस निर्मम हत्या को किसी बाहरी ने नहीं, बल्कि बीरबल के अपने ही परिवार के सदस्यों ने अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, बीरबल के बेटे, उसकी छोटी बेटी और बेटी के प्रेमी ने मिलकर गला घोंटकर उसकी हत्या की। प्रारंभिक जांच में यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। लंबे समय से चल रहे पारिवारिक तनाव और आपसी कलह ने इस वारदात को जन्म दिया।

हत्या के बाद आरोपियों ने शव को पम्पू तालाब में फेंक दिया, ताकि यह मामला दुर्घटना या रहस्यमयी मौत लगे। हालांकि, पुलिस की सख्त जांच, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के दौरान सच्चाई सामने आ गई। तीनों आरोपियों को

गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

इस खुलासे के बाद पूरे धनबाद में सनसनी फैल गई है। लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि पारिवारिक विवाद इस हद तक बढ़ सकता है कि अपनों की ही जान ले ली जाए। पुलिस का कहना है कि मामले में चार्जशीट की तैयारी की जा रही है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

प्री बोर्ड परीक्षा में 90% से ऊपर रही छात्रों की उपस्थिति

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर गुरुवार, 15 जनवरी 2026, से मैट्रिक एवं इण्टरमीडिएट की द्वितीय प्री-बोर्ड तथा 9वीं एवं 11वीं की प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा शुरू हुई।

प्री-बोर्ड परीक्षा के लिए छात्रों में भारी उत्साह देखने को मिला। प्री बोर्ड परीक्षा में धनबाद प्राणजीवन एकेडमी में 99%, राज प्लस टू स्कूल झरिया में 93%, अपग्रेडेड हाई स्कूल करमाटांड में 98%, मॉडल स्कूल गोविंदपुर में 99% सहित जिले के विभिन्न स्कूलों में 90 प्रतिशत से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज हुई।

वहीं उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार परीक्षा के बाद सभी

स्कूलों में पिछले प्री-बोर्ड की कॉपियाँ चेक की गईं। साथ ही टॉपर के नंबर डिसप्ले बोर्ड पर दर्शाये गए। इसके अलावा छात्रों के साथ प्री-बोर्ड प्रश्न पत्र पर चर्चा की गई। जबकि अनुपस्थित छात्रों को शिक्षकों द्वारा फोन करके ट्रैक किया गया और परीक्षा में सम्मिलित होने को कहा गया। वहीं एसएमसी और पीटीएम में रिजल्ट पर चर्चा की गई।

जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने टुंडी के मनियाडीह स्थित प्रोजेक्ट प्लस टू हाई स्कूल एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप ने अपग्रेडेड हाई स्कूल कसियाटांड गोविंदपुर का भ्रमण किया। जबकि संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने-अपने क्षेत्र की विद्यालयों का भ्रमण कर छात्रों का मार्गदर्शन किया।

प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन 16 जनवरी, 19 जनवरी, 20 जनवरी, 21 जनवरी व 22 जनवरी को दो सिटिंग में किया जाएगा। पहली सिटिंग में मैट्रिक के लिए सुबह 9 बजे से 12 बजे तक तथा इण्टरमीडिएट के लिए द्वितीय सिटिंग में दोपहर 12.30 बजे से 3.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जबकि 24 जनवरी को परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

मामला पूर्वी टुंडी काः श्मशान घाट अतिक्रमण मामले में एफआईआर दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

पूर्वी टुंडी (धनबाद): पूर्वी टुंडी के रामपुर पंचायत के खेशमी श्मशान घाट अतिक्रमण मामले में ग्रामीणों की मांग पर संज्ञान लेते हुए अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई रामपुर पंचायत के खेशमी जोरिया स्थित श्मशान घाट पर अतिक्रमण को लेकर हुई महापंचायत के बाद की गई है। इसमें सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए थे। अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी नीतीश कुमार की उपस्थिति में हुई इस कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी है।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अंचल अधिकारी ने बताया कि पूर्वी टुंडी के रामपुर पंचायत के खेशमी जोरिया स्थित श्मशान

घाट के अतिक्रमण को लेकर आज ग्रामीणों द्वारा एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने एक स्वर में सार्वजनिक श्मशान घाट की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। पंचायत के दौरान ग्रामीणों ने साक्ष्यों के साथ अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों की मांग और मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल अधिकारी ने तुरंत संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्वी टुंडी थाना में प्राथमिकी कांड संख्याः 6/26 दर्ज करा दी गई है। एफआईआर में संबंधित भू-राजस्व और अतिक्रमण अधिनियम के तहत धाराएं लगाई गई हैं।

अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकारी या सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस महापंचायत में मुख्य रूप से रामपुर पंचायत के जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत किया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बलिदानियों के परिजनों से मिलने पीआरसी से रवाना हुआ हार्दिक मिलन दल

रामगढ़। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंजाब रेजिमेंटल सेंटर अपने बहुत पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं और उनके आश्रितों का वर्तमान हाल जानेगा। पंजाब रेजिमेंटल सेंटर ने सेना दिवस के उपलक्ष में जे एंड बी सब एरिया की देखरेख के लिए हार्दिक मिलन दल 4.0 को रवाना किया है। यह मिलन दल पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर, फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, शहीद भगत सिंह नगर, लुधियाना, जालंधर, मोगा, फरीदकोट, बरनाला और मानसा जिलों में जाएगा। यहां भूत पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं व उनके आश्रितों से यह दल मुलाकात करेगा।

इस दल को ब्रिगेडियर राजेश बाबू पीजी, कमांडेंट और लेफ्टिनेंट कर्नल देबाषीस डे, मुख्य रिकॉर्ड अधिकारी द्वारा गुरुवार को फ्लैग ऑफ कर रवाना किया गया। ब्रिगेडियर राजेश बाबू पीजी ने बताया कि इस मुहिम की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई थी। वर्ष 2026 में यह हार्दिक मिलन 4.0 का चौथा सफल प्रयास है।

इस दल की ओर से पंजाब के 10 जिलों के सभी भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं और उनके आश्रितों की शिकायतों एवं समस्याओं का निवारण किया जाएगा। उसके साथ ही सेवानिवृत होने के बाद मिलने वाली पेंशन संबंधित सुविधाएं, जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना सहित अन्य कार्य का भी निपटारा किया जाएगा।

मानगो नगर निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ जदयू ने दिया धरना

पूर्वी सिंहभूम। मानगो नगर निगम में कथित अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और आम जनता से जुड़ी समस्याओं को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) महानगर इकाई की ओर से गुरुवार को धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

धरना में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। मौके पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय भी पहुंचे और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया।

धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व जदयू के जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव कर रहे थे। उन्होंने मानगो नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि निगम क्षेत्र के सभी 36 वार्डों में जन समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन सरकार और नगर निगम प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर है और इसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष ने इन समस्याओं के लिए सीधे तौर पर राज्य की सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू के विपक्ष में होने के कारण सरकार के इशारे पर मानगो नगर निगम में जानबूझकर जन सुविधाओं पर रोक लगाई जा रही है, ताकि जनता को परेशान किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और जनविरोधी रवैया है।

जंगली हाथी ने घर और गोदाम को पहुंचाया नुकसान

पूर्वी सिंहभूम। जिले के चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत सरडीहा पंचायत के रूपुषकुंडी गांव में गुरुवार को तड़के जंगली हाथी जंगल से निकल कर गांव में घुस आया और कुछ ही देर में कई स्थानों पर नुकसान पहुंचाकर ग्रामीणों में दहशत फैला दी। जानकारी के अनुसार हाथी ने सबसे पहले गांव निवासी जयंती नायक के घर को निशाना बनाया। हाथी के हमले से उनका घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं घर में रखा सामान भी टूट-फूट गया। इस घटना में महिला को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। इसके बाद हाथी धान की तलाश में रूपुषकुंडी लैंपस परिसर पहुंच गया, जहां उसने गोदाम में लगे लोहे के शटर को तोड़ दिया और वहां भी नुकसान किया।

हाथी के अचानक हुए हमले से पूरे गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि तड़के हुई इस घटना से लोग सहमे हुए हैं और रात के समय घर से बाहर निकलने में डर महसूस कर रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों को लेकर ग्रामीण खासे चिंतित नजर आ रहे हैं।

उत्पात मचाने के बाद हाथी गांव से निकलकर सांपधरा साल जंगल की ओर लौट गया है, जहां उसके डेरा डालने की सूचना है। वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम क्षेत्र में अलर्ट पर है और लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग की ओर से ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने और सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में 17 जनवरी को झारखंड बंद का आह्वान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। पड़हा राजा एवं अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सोम मुंडा की हत्या के विरोध में आदिवासी संगठनों द्वारा 17 जनवरी को संपूर्ण झारखंड बंद का आह्वान किया गया है । यह बंद हत्या के आठ दिनों बाद भी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता और शूटरों को पकड़ने में पुलिस प्रशासन की विफलता के विरोध में बुलाया गया है। बंद का आह्वान आदिवासी समन्वय समिति (खूंटी) सहित लगभग 30 आदिवासी संगठनों ने संयुक्त रूप से किया है।

इस संबंध में आदिवासी समन्वय समिति द्वारा गुरुवार को खूंटी के करम अखरा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी वर्ग के लोगों से प्रस्तावित झारखंड बंद में सहयोग करने की अपील की गई। बताया गया कि बंद से स्कूल, अस्पताल, दवा दुकान समेत अन्य आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदिवासी समन्वय समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रभात मुंडा ने कहा कि जल जंगल जमीन एवं आदिवासी समाज के लिए जीवन भर संघर्ष करने वाले पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या से आदिवासी समाज के साथ ही सामाजिक व्यवस्था को गहरा आघात लगा है।

हत्याकांड के इतने दिनों बाद भी अभी तक हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता और शूटरों की गिरफ्तारी न होने से सामाजिक संगठनों में आक्रोश फैल रहा है। सामाजिक संगठनों को यह आशंका है कि पूर्व में हुई कई चर्चित हत्याकांडों की तरह सोमा मुंडा हत्याकांड की जांच में भी पुलिस प्रशासन द्वारा लीपापोती ना कर दी जाए। उन्होंने शासन प्रशासन से सोमा मुंडा की हत्या में शामिल मुख्य अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने, अनावश्यक रूप से किसी निर्दोष को नहीं पकड़ने, दिवंगत सोमा मुंडा के स्वजनों को जल्द समुचित मुआवजा देने और सोमा मुंडा द्वारा संचालित स्कूल के बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है।

आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बारला ने भी हत्याकांड के बाद अब तक पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हत्याकांड के आठ दिन बाद भी मुख्य साजिशकर्ता और शूटरों की गिरफ्तारी ना होना पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मामले की लीपापोती करने की कोशिश की गई तो तीव्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। बताया गया कि बंद से पूर्व शुक्रवार शाम खूंटी में भगत सिंह चौक से नेताजी चौक तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक महादेव मुंडा, दुर्गावती ओड़ेया, जॉनसन होरो, चार्ल्स पाहन, बाहा लिंडा समेत आदिवासी संगठनों के अन्य लोग शामिल थे।

अदालत ने दो दोषी भाइयों को सुनाई 10 -10 वर्ष की सजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। पलामू व्यवहार न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नंबर नौ आभाष कुमार की अदालत ने गुरूवार को लेस्लीगंज के दो भाइयों एलए पांडे और मिथलेश पांडे को दोषी पाते हुए 10 -10 वर्ष की कारावास की सजा सुनायी है।साथ ही अदालत ने दोनों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुमाने की राशि नहीं देने पर दोनों को एक वर्ष की अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी। दोनों भाइयों पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग को बहला फुसलाकर बाहर काम करने के लिए ले गए थे और वहां से गूम कर दिया था। आरोपितों ने पूछताछ करने पर कुछ भी बताने से इनकार किया था। इस संबंध में पलामू की तत्कालीन आहातू थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने जांच कर रिपोर्ट समर्पित की थी। दोनों भाई लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बांसडीह चौरा के रहने वाले हैं। यह जानकारी जिले की एसपी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

जागृति शाखा ने नुक्कड़ नाटक से दिया नशा मुक्ति का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम। समाज में बढ़ती नशाखोरी के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की प्रेरणा से मारवाड़ी युवा मंच चाईबासा की जागृति शाखा ने गुरुवार को मेरी टोला में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। मौके पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और स्वस्थ, नशामुक्त समाज की दिशा में संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रकाश कुमार गुप्ता और उषा मिश्रा के नेतृत्व वाली नाट्य टीम ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में यह दिखाया गया कि किस प्रकार नशा व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, परिवार की खुशहाली छीन लेता है और समाज में अपराध, गरीबी और तनाव को बढ़ावा देता है। कलाकारों ने सरल भाषा और जीवंत अभिनय के जरिए यह संदेश दिया कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बादी की ओर ले जाता है। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के दौरान दर्शकों को यह भी बताया गया कि नशे से बचाव के लिए सही जानकारी, परिवार का सहयोग

और सामाजिक जागरूकता कितनी जरूरी है। लोगों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें।

इस मौके पर जागृति शाखा की अध्यक्ष चंदा अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में डालसा के सचिव रवि चौधरी की ओर से की गई बैठक में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को नशे के खिलाफ अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया गया था। उसी प्रेरणा के तहत यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि क्षेत्र में बढ़ रही नशाखोरी पर रोक लगाई जा सके और समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जागृति शाखा की सचिव रिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शिल्पा फिरोजीवाला, ऋचा अग्रवाल, ममता जिंदल, सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुमला जिले में हाइवा ने पिकअप में मारी टक्कर, चार लोगों की मौत व दो गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गुमला। जिले के रांची मुख्य मार्ग पर भरनो थाना क्षेत्र के भड़गांव के समीप गुरुवार सुबह एक हाईवा वाहन ने छोटे पिकअप वाहन को पीछे से टक्कर मारी दी। इस दुर्घटना में छोटी पिकअप सवार चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें रिम्स के लिए रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह लोग एक छोटी पिकअप वाहन पर सवार होकर रांची से गुमला की ओर तिलकुट बेचने आ रहे थे। तभी भरनो थाना क्षेत्र के भड़गांव के समीप हाईवा वाहन ने उनके वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य दो लोग घायल हुए हैंए जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी लोग रांची के रहने वाले हैं। भरनो थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दो लोगों को सिसई रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से दोनों को गंभीर हालत में रिम्स रांची रेफर किया गया है। इस घटना के बाद हाइवा चालकों के प्रति रोष व्याप्त है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

जिले के एसपी हरिश बिन जमा ने बताया कि चार लोगों की मौत हुई है। इनमें से तीन लोगों की पहचान संजय भुइयां पुत्र राजू भुइयां निवासी बसरीया थाना केरेडारी, हजारीबाग,बालेश्वर साहू पुत्र तुलसी साहू निवासी तेरियाडिह थाना टंडवा जिला चतरा और सुनिल कुमार पुत्र भूटक साबू निवासी ग्राम बेलेतो थाना केरेडारी जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। खबर लिखने तक एक अन्य की पहचान नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि अन्य दो लोग घायल हुए हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। ये सभी लोग रांची के रहने वाले हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए प्राथमिक उपचार के बाद रांची के रिम्स भेजा गया है।

सडक दुर्घटना में दो की मौत, चार लोग घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। जिले में चलाये जा रहे सड़क सुरक्षा माह के बीच लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। लोग असमय काल के गाल में समा जा रहे हैं। मेदिनीनगर सदर और हरिहरगंज थाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग अलग हादसे हुए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव में दरहा बाबा मंदिर के पास हुई। यहां अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गयी। वहीं दूसरी घटना हरिहरगंज के कौआखोह सतभूरवा पुल के पास एनएच फोरलेन पर हुई। यहां एक स्कार्पियो के पलट जाने से उसके चालक की मौत हो गयी, वहीं उसकी पत्नी सहित चार लोग घायल हो गए।

हाइवा से टक्कर के बाद पलटा स्कार्पियो-हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कौआखोह सतभूरवा पुल के पास एनएच फोरलेन पर गुरुवार को स्कार्पियो सवार चालक गढ़वा के झुरा गांव अरुण तिवारी (65) की मौत हो गई, जबकि स्कार्पियो पर सवार चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में मृतक की पत्नी इंदु देवी के अलावे पलामू के विश्रामपुर के तोलरा गुरी भंडार के विजय कुमार पांडेय, सरोज देवी, सुनीता देवी शामिल हैं। इनमें सोनी देवी सुरक्षित हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कार्पियो (जेएच 14 डी 2252) औरंगाबाद की ओर जा रही थी। हाइवा (बीआर 24 जीबी 6211) के पीछे चल रही थी। अचानक विपरीत दिशा से एक अज्ञात बाइक को बचाने में हाइवा ने बायीं ओर मोड़ दिया। हाइवा के अगले हिस्से से स्कार्पियो की टक्कर हो जाने से दोनों वाहन पलट गए। एनएचएआई की एंबुलेंस से घायलों को हरिहरगंज सीएचसी लाया गया। जहां डॉ राजेश कुशवाहा ने अरुण तिवारी को मृत घोषित कर दिया, जबकि विजय पांडेय और सरोज देवी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

घायल विजय ने बताया कि सभी अपने रिश्तेदार के घर औरंगाबाद जन्मोत्सव पार्टी में शामिल होने जा रहे थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत-सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव निवासी संजय राम (50) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार संजय राम बुधवार की रात को बाइक से मेदिनीनगर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सिंगरा गांव स्थित दरहा बाबा मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी और फरार हो गया।

हादसे में संजय राम गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर सदर थाना पुलिस ने उन्हें मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी के जवानों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने किया जरूरतमंदों के बीच साड़ी–कंबल वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। कड़ाके की ठंड से ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सामाजिक कार्यकर्ता सतीश सिंह ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड के बड़का रेगरे गांव, मुरेचकेल टोला सहित आसपास के क्षेत्रों में कम्बल और साड़ी को वितरण किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत 100 से अधिक महिलाओं को साड़ी प्रदान की गई, जबकि ठंड को देखते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों के बीच कंबल बांटे गए। वस्त्र पाकर ग्रामीणों में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया।

इस अवसर पर सतीश सिंह ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब और असहाय वर्ग को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरकार की पहुंच से दूर क्षेत्रों में सेवा कार्य करना सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की सेवा से आत्मिक संतोष मिलता है और भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम में मनोज सिंह, कृष्ण सिंह, सोनू कुमार सिंह, रंजीत सिंह सहित कई स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल में रेफर करने वाले डॉक्टर पर होगी कार्रवाई: डीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। रामगढ़ डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की। सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। बैठक के दौरान डीसी ने सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से मरीज को रेफर कर निजी अस्पतालों में स्वयं मरीज का इलाज करने वाले चिकित्सकों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीसी ने सदर अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मातृत्व स्वास्थ्य और प्रसव संबंधित सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीज को लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। डीसी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने एवं प्रभावी तरीके से आयुष्मान भारत योजना का संचालन करते हुए प्रत्येक योग्य मरीज को योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

मातृत्व स्वास्थ्य के तहत विभिन्न कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व जांच ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संस्थागत प्रसव संबंधित मामलों की समीक्षा में क्रम में डीसी ने सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में हो रहे प्रसव की जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं को और भी प्रभावी तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं अथवा बच्चों की मृत्यु से संबंधित मामलों की गंभीरता पूर्वक जांच सुनिश्चित करने एवं संबंधित मामलों में ऑटोप्सी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी ने गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान प्रसव पूर्व जांच के दौरान विशेष ध्यान देते हुए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मौके पर डीसी ने सदर अस्पताल सहित अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में 24 घंटे सातों दिन आकस्मिक सेवाएं, प्रसव सहित अन्य चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नीलगायों के आतंक से त्रस्त किसान, बिहार मॉडल पर 'शूट एंड साइट' की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। पलामू के हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र में नीलगायों (घोड़परास) का आतंक किसानों के लिए अब सबसे बड़ी आपदा बन चुकी है। गोल्हना, रतनबिघा, बिंदुबिगहा, पतरीया, जमुआ कला, बिलासपुर, नौडीहा, सलैयाटीकर, खरगाड़ा, सजवन, सलेमपुर, सड़ेया, कुकही, इमामनगर बरेवा, बरवाडीह, लोहरपुरा सहित दर्जनों गांवों में किसानों की लहलहाती फसलें रातों रात बर्बाद हो रही हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि किसानों का सब्र टूटने लगा है। सभी प्रभावित गांवों के किसानों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बिहार सरकार की तर्ज पर नीलगायों को 'वर्मीन' घोषित कर 'शूट एंड साइट' आदेश जारी करने की मांग की है।

किसानों का कहना है कि दिन-रात मेहनत कर, कर्ज लेकर खेती करते हैं, लेकिन नीलगाय झुंड में आकर कुछ ही घंटों में पूरी फसल चट कर जाते हैं। इससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर जा रहा है। इस वर्ष गेहूं, चना, सरसों, अरहर, कुलथी व सब्जी की फसल सबसे ज्यादा बर्बाद हो रही है। बाड़ लगाने और पूरी रात खेतों में पहरा देने के बावजूद फसल बचाना असंभव हो गया है। कर्ज लेकर खेती करते हैं, लेकिन नीलगाय उनकी सारी मेहनत कुचल रही हैं।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह, पूर्व उपप्रमुख यमुना सिंह, सिद्धि सिंह, संजय सिंह, जयप्रकाश सिंह, राहुल सिंह, अंकू सिंह राणा, अनूप सिंह, मनोज सिंह, सुधीर सिंह, प्रो. अरविन्द सिंह, अशोक सिंह, योगेन्द्र सिंह, अनिल सिंह, गोरख सिंह, लल्ली यादव, रामनाथ पासवान, पप्पू सिंह, धनंजय सिंह, अवधेश मेहता, सत्येन्द्र सिंह, भोला सिंह, संतोष सिंह, मदन सिंह, विनय सिंह, मोबिन अंसारी, दुखन रजवार, सिराजुद्दीन अंसारी सहित सैकड़ों किसानों ने गुरूवार को एक स्वर में कहा कि सरकार फसल की सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन और उच्च न्यायालय में पीआईएल दाखिल करने को विवश होंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी

ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। केंद्र ने अपने पहले वार्षिक अनुमान में कहा है कि 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 रहेगी। वैसे, अंतिम आंकड़े मई में जाकर मालूम होंगे, फिर भी ताजा अनुमान महत्त्वपूर्ण है। इसलिए कि इन आंकड़ों को ही आधार बना कर वित्त मंत्री अगला बजट पेश करेंगी। शीर्षक के मुताबिक इस वर्ष जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर खासा मजबूत रहने वाली है। मगर इसमें कई पेच हैं। बेशक, वास्तविक वृद्धि दर पिछले साल के 6.5 प्रतिशत से 0.9 फीसदी ज्यादा है, मगर चालू वर्ष में कुल (नोमिनल) वृद्धि दर महज 8 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले साल से 1.8 प्रतिशत कम है। मतलब मुद्रास्फीति की कम दर के कारण वास्तविक वृद्धि दर ऊंची नजर आती है। नोमिनल वृद्ध दर गिरने का परिणाम टैक्स की कम वसूली के रूप में सामने आएगा। उससे राजकोष दबाव में आएगा, हालांकि मुमकिन है कि रिजर्व बैंक से मिलने वाले डिविडेंड और विनिवेश से प्राप्त राजस्व के कारण यह खुल कर ना जाहिर हो। वैसे ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। बीते साल के 7.2 फीसदी की तुलना में इस वर्ष यह सात प्रतिशत रहेगी। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी को जाहिर करता है। यह बताता है कि जमीनी स्तर पर आमदनी और बचत की स्थिति और कमजोर है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर गिरने का अनुमान लगाया गया है। उसका असर ग्रामीण आय एवं उपभोग पर पड़ेगा। इस स्थिति में निजी निवेश बढ़ने की गुंजाइश अगले साल भी नहीं बनेगी। इस बीच अमेरिकी टैरिफ और अन्य प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वृद्धि दर 8 प्रतिशत रही, जबकि बाकी छह महीनों में इसके 6.9 फीसदी ही रहने का अनुमान है।

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था। मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे 'आधुनिक राजस्थान' की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी "सुशासन, अनुशासन और डिलीवरी" के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है। आज राजस्थान में 'भजन राज' का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है। वे केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर 24 कैरेट खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अब तक के कार्य इस प्रतिबद्धता की ठोस गवाही देते हैं।

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षिकाओं की कमी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और समानता हमेशा से एक चुनौती रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच, संसाधनों, शिक्षक उपलब्धता और शिक्षा के अवसरों में व्यापक अंतर दिखाई देता है। इस असमानता का सबसे स्पष्ट उदाहरण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती और लिंग संतुलन में देखा जा सकता है। शहरों के प्राथमिक स्कूलों में अक्सर 10 से 18 शिक्षक तैनात होते हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्कूलों में औसतन 3–4 शिक्षक ही होते हैं और उनमें से एक भी महिला नहीं होती। यही वह असमानता है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित करती है बल्कि समाज में लिंग समानता की दिशा में भी बड़ी बाधा बनती है। भारत में शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण का प्रावधान है। यह कानून स्पष्ट रूप से महिलाओं को समान अवसर देने की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब भर्ती में आरक्षण है, तो पोस्टिंग में यह क्यों लागू नहीं होता? ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की तैनाती क्यों अधिक होती है और महिलाओं को वहां सेवा देने के लिए क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता? इसका उत्तर जटिल है। सबसे पहले, सुरक्षा और सुविधाओं की कमी एक बड़ा कारण है। सुदूर और दूर-दराज के गांवों में रहने की सुविधा सीमित होती है। कई महिला शिक्षक वहां तैनाती के लिए अनिच्छुक रहती हैं। परिवहन की समस्या, सुरक्षित आवास की कमी, सामाजिक और पारिवारिक प्रतिबंध जैसे कारक भी उनके निर्णय को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, सरकारी नीतियाँ इस असमानता को सीधे संबोधित नहीं करती हैं। भर्ती में आरक्षण को तो लागू किया जाता है, लेकिन पोस्टिंग में "इच्छा" और "सुविधा" को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शिक्षकों की संख्या अधिक रहती है। यही वह दोहरा मापदंड है, जो महिलाओं के समानता के अधिकारों और शिक्षा के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाता है। सामाजिक दृष्टि से यह असमानता और भी चिंताजनक है। महिला शिक्षक केवल शैक्षिक कर्तव्य नहीं निभाती हैं; वे बच्चों के लिए रोल मॉडल होती हैं। विशेष रूप से लड़कियों के लिए, महिला शिक्षक शिक्षा में प्रेरणा और विश्वास का स्रोत होती हैं। ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की अनुपस्थिति का मतलब है कि लड़कियां उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों के प्रति प्रेरित नहीं हो पातीं। इसके अलावा, शिक्षकों की संख्या और लिंग संतुलन का प्रभाव बच्चों की सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। शोधों से पता चलता है कि लिंग संतुलन वाले कक्षा वातावरण में बच्चों की सामाजिक और भावनात्मक विकास बेहतर होता है। वे सहकर्मी सहयोग, समानता की भावना और सामाजिक संवेदनशीलता सीखते हैं। यदि ग्रामीण स्कूलों में केवल पुरुष शिक्षक हैं, तो यह अनुभव बच्चों से छूट जाता है। कानूनी और संवैधानिक दृष्टि से भी यह असमानता चुनौतीपूर्ण है। भारतीय संविधान की धारा 14 और 15 हर नागरिक को समानता का अधिकार देती है और लिंग के आधार पर भेदभाव से बचाती है। भर्ती में 50% आरक्षण तो महिलाओं को समान अवसर देता है, लेकिन पोस्टिंग में इसे नजरअंदाज करना संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। यह नीति केवल कानूनी रूप से नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी असंगत है। सरकार की इस दोहरी नीति का असर स्पष्ट है। शहरी स्कूलों में महिलाएं भरपूर तैनात हैं, इसलिए 50% आरक्षण दिखाई देता है। वहीं, ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी, उनके आरक्षण का वास्तविक लाभ न के बराबर कर देती है। यह नीति न केवल ग्रामीण शिक्षा को कमजोर करती है, बल्कि सामाजिक और लैंगिक समानता के मूल सिद्धांत को भी कमजोर करती है। इस असमानता को दूर करने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। महिला शिक्षकों को आकर्षित करने के लिए विशेष भत्ता, सुरक्षित और संरचित आवास, परिवहन सुविधा और स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए। अगर महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने के लिए अधिक इच्छुक होंगी। भर्ती के साथ-साथ पोस्टिंग नीति में भी महिलाओं का 50% प्रतिनिधित्व अनिवार्य होना चाहिए। इसे लागू करने के लिए सरकार को विशेष निर्देश जारी करने होंगे और तैनाती की निगरानी करनी होगी। स्थानीय समुदाय के सहयोग से महिला शिक्षकों की सेवा को सरल और सुरक्षित बनाया जा सकता है। ग्राम स्तर पर महिला शिक्षकों के लिए सहायता समूह और स्थानीय सुरक्षा नेटवर्क बनाए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने वाली महिला शिक्षिकाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेशेवर विकास के अवसर सुनिश्चित करने होंगे। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगा और ग्रामीण शिक्षा में उनका योगदान बढ़ाएगा। ग्रामीण समाज में महिलाओं के काम करने के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। महिलाओं की शिक्षा और पेशेवर भूमिका को सम्मान और समर्थन मिलना चाहिए। यदि इन कदमों को अपनाया जाए तो न केवल ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी दूर होगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह नीति ग्रामीण शिक्षा में समानता और गुणवत्ता का संदेश भी भेजेगी। भर्ती में आरक्षण का होना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक समानता तभी संभव है जब पोस्टिंग में भी लिंग संतुलन और सुविधा आधारित नीति लागू हो। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पुरुष शिक्षकों की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि आरक्षण का लाभ महिलाओं तक सही मायने में नहीं पहुँच रहा है। अगर हम चाहते हैं कि भारत की शिक्षा प्रणाली सभी बच्चों के लिए समान अवसर और उच्च गुणवत्ता प्रदान करे, तो यह समय है कि सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए स्पष्ट और ठोस नीति सुधार करे।

मेष राशि – दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा।

वृष राशि– आज आपका बिजनेस अच्छा चलेगा आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा। आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

मिथुन राशि – आज समय से सारी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

कर्क राशि – आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा।

सिंह राशि– अनुभवी लोगों से राय लेना रहेगा फायदेमंद आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा।

कन्या राशि – आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे।

तुला राशि – आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं।

वृश्चिक राशि – आज ऑफिस में नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि– करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षको की सहायता लेंगें, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि– किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा।

कुंभ राशि – आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

मीन राशि – आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

भारतीय सेनाः युद्धभूमि में अडिग, संकट में राष्ट्र का संबल

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी। देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था। आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है।

2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं। भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

पूर्णिया गैंगरेप कांड: हैवानियत के बीच राज नीतिक घमासान, मुख्य आरोपी की सांसद के साथ तस्वीर वायरल

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया जिले से सामने आई सामूहिक दुष्कर्म की वीभत्स घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मो. जुनैद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। लेकिन जुनैद की गिरफ्तारी के बाद जो खुलासे हो रहे हैं, उन्होंने इस मामले को राजनीतिक रंग दे दिया है।

घटना चार दिन पहले हुई थी, जब आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवती को सरेराह अगवा किया। अपराधियों ने उसे जबरन एक मोटर गैराज में ले जाकर पूरी रात सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता को जबरन शराब पिलाई गई और उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित

किया गया। इस घटना ने एक बार फिर बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों के बेखौफ हौसलों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

मुख्य आरोपी मो. जुनैद इलाके का रसूखदार शख्सियत बताया जा रहा है। उसकी पत्नी वर्तमान में उप मुखिया हैं और जुनेद का सक्रिय राजनीति में गहरा हस्तक्षेप रहा है। गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हुई, जिसमें जुनैद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के साथ नजर आ रहा है। दोनों एक ही माला पहने हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे उनके करीबी रिश्ते का संकेत मिलता है। हालांकि, इस तस्वीर की सटीकता और समय की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

विडंबना यह है कि घटना के तुरंत बाद रविवार को सांसद पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि बिहार में कानून का शासन खत्म हो गया है और बहन-बेटियां घर से निकलने में डर रही हैं। अब मुख्य आरोपी की उनके साथ तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें घेरा जा रहा है।

पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि राजनीतिक रसूख को किनारे रखकर मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कड़ी सजा दी जाए। यह मामला अब केवल एक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि रसूखदार अपराधियों और राजनीति के गठजोड़ की ओर भी इशारा करता है, जिसकी निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

दुकान से 6 लाख की चोरी का हुआ खुलासा
पुराने कर्मचारी ही निकले मास्टर माइंड

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले में हैंडलूम दुकान से हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। बुधवार शाम साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस चोरी में दुकान के ही पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मानवीय सूचनाएं एकत्र कीं। इसके आधार पर सदर थाना पुलिस और जिला सूचना इकाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। 10 साल पुराना कर्मचारी निकला मुख्य आरोपी जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि गिरफ्तार आरोपी मिथिलेश कुमार उर्फ सोनू कुमार ने इसी हैंडलूम दुकान में करीब 10 वर्षों तक काम किया था। दूसरा आरोपी बाबुल कुमार दुकान में सहयोगी के रूप में कार्यरत था। इन दोनों ने एक नाबालिग के साथ मिलकर चोरी की पूरी योजना बनाई थी। तीनों आरोपी सहरसा सदर थाना क्षेत्र के निवासी हैं।चोरी के पैसों से खरीदा गया महंगा आईफोन बरामद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए पैसों में से 1 लाख 95 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। साथ ही चोरी की रकम से खरीदा गया एक महंगा आईफोन भी जब्त किया गया है। इस कांड के उद्भेदन में सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार, एसआई धनेश्वर प्रसाद सिंह, सनोज वर्मा, बालेश्वर कुमार और प्रियंका कुमारी चौहान सहित जिला सूचना इकाई की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मछली बनाने को लेकर हुआ विवाद, पत्नी नेजहर खाया ; तीन साल पहले हुई थी लव मैरिज

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पति-पत्नी के बीच हुए मामूली विवाद ने एक विवाहिता की जान ले ली। बिहरा थाना क्षेत्र में मछली बनाने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक महिला ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान बिहरा थाना क्षेत्र के सिहौल वार्ड नंबर एक निवासी सरोज कुमार की 27 वर्षीय पत्नी अनीता देवी के रूप में हुई है। मछली बनाने से इनकार पर शुरू हुआ विवाद यह घटना 12 जनवरी की बताई जा रही है। मृतका के देवर अनोज कुमार ने बताया कि उनके भाई सरोज कुमार सुबह मछली खरीदकर घर लाए थे। उन्होंने पत्नी अनीता से मछली बनाने को कहा, लेकिन अनीता ने इससे इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए हाथापाई तक पहुंच गई। उस वक्त घर में मौजूद सास-ससुर और देवर ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। घर में अकेली पाकर खा ली सल्फास की गोलीविवाद के बाद सरोज कुमार घर से बाहर चले गए। सास जीविका की बैठक में शामिल होने चली गईं और देवर भी अपने काम पर निकल गए। घर में अकेली रह गई अनीता ने गुस्से में आकर गेहूं में डालने वाली कीटनाशक सल्फास की गोली खा ली। शाम के समय जब अनीता को उल्टियां होने लगीं, तब परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई।निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत परिजन आनन-फानन में अनीता को पंचगाछिया के एक निजी क्लिनिक ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे सहरसा शहर के सूर्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। तीन साल पहले किया था प्रेम विवाह परिजनों के मुताबिक, अनीता और सरोज ने तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों का एक साल का बेटा भी है। अनीता का मायका सुपौल जिले के गढ़बरुआरी में है। इस घटना के बाद एक साल के मासूम बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया, जिससे पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर सहरसा सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। फिलहाल पुलिस को इस मामले में कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है, लेकिन जरूरी कागजी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

गयाजी जीआरपी थाने का औचक निरीक्षण
आरओ प्लांट में भी जांच :सोना लूटकांड में मिले अहम सुराग, रेल डीएसपी ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया

गयाजी, एजेंसी। गयाजी में रेल डीएसपी भास्कर रंजन ने जीआरपी थाने का औचक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के पटना से गयाजी जीआरपी पहुंचे। डीएसपी ने थाना परिसर, अभिलेखों और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से पड़ताल की। थानाध्यक्ष समेत मौजूद अधिकारियों और जवानों से हालिया घटनाओं को लेकर हर एक बिंदु पर जानकारी ली।रिकॉर्ड से लेकर ड्यूटी चार्ट तक की उन्होंने पड़ताल की। खास बात यह भी उन्होंने इस दौरान सोना लूट कांड में अहम सीसीटीवी फुटेज भी आरओ प्लांट से कब्जे ले लिया। सूत्रों के मुताबिक आरओ प्लांट में ही लूट के करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सोने के बिस्किट की कटाई की गई थी। डीएसपी ने साफ शब्दों में कहा कि लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। जांच निष्पक्ष होगी। दोषी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा। निरीक्षण के दौरान डीएसपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए। थाना स्तर पर किसी भी तरह की ढिलाई सामने आई तो सीधी कार्रवाई तय है। इसी दौरान कई अहम फाइलें भी खंगाली गईं, जिन्हें लेकर डीएसपी ने जरूरी सुधार के निर्देश दिए। सोना लूट कांड में जांच थाना निरीक्षण के बाद डीएसपी भास्कर रंजन सीधे गया-चाकंद रोड स्थित वाटर प्लांट पहुंचे। वहां घटनास्थल का गहन मुआयना किया गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को फ्रेम-दर-फ्रेम खंगाला। पुलिस अफसरों के मुताबिक फुटेज में कई अहम सुराग मिले हैं। इन्हीं सुराग के आधार पर अब जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। अब शीघ्र ही सोना लूट कांड मामले से पर्दा उठने की संभावना है। सूत्रों की मानें तो इस पूरे प्रकरण में जीआरपी के चार सिपाही और दो सिविलियन संदेह के घेरे में हैं। सभी की भूमिका की अलग-अलग स्तर पर जांच की जा रही है। संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी हो रही है। पुलिस की कई टीमें मैदान में उतारी गई हैं। हर एंगल से जांच चल रही है। फिलहाल आरोपी सिपाही और दो सिविलियन फरार हैं। डीएसपी ने भरोसा दिलाया कि मामले में किसी को भी संरक्षण नहीं मिलेगा।

ऑर्केस्ट्रा डांसर से गैंगरेप मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में आर्केस्ट्रा डांसर से गैंगरेप मामले में उप मुखिया पति की गिरफ्तारी के बाद दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए हैं। मंगलवार देर रात छापेमारी कर गैंगरेप में शामिल मोहम्मद इरफान समेत बेबी नाम की महिला को दबोचा है। पुलिस ने गैंगरेप मामले में अब तक तीन आरोपियों की अरेस्टिंग कर ली है। प्रमंडल के आईजी विवेकानंद ने बताया तीन आरोपियों का गिरफ्तार किया गया है। एसपी स्वीटी सहरावत के निर्देश पर स्पेशल टीम गठित की गई है। बाकी बचे तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल 5 आरोपियों की पहचान कर ली है। जिन्होंने जुनैद के गैराज में युवती के साथ हैवानियत की थी। गिरफ्तार आरोपियों से मिले सुराग के आधार पर बहुत जल्द सभी दरिंदे सलाखों के पीछे होंगे। किसी भी लड़की के साथ इस तरह की घटना होना अक्षम्य है। इसका कोई जस्टिफिकेशन नहीं हो सकता है। लड़की के साथ गलत हुआ है। पुलिस के लिए यही काफी है। इसी पर ध्यान में रखते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना में 42 निजी स्कूलों ने मान्यता के लिए किया आवेदन

पटना, एजेंसी। पटना जिले में निजी स्कूलों की प्रस्वीकृति (मान्यता) के लिए शिक्षा विभाग के ई-संबद्धन पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब तक जिले के 42 निजी स्कूलों ने कक्षा 1 से 8 तक की मान्यता के लिए आवेदन किया है। इन स्कूलों की जांच के लिए जिला पदाधिकारी के निर्देश पर पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में जिला पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा), सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी और संबंधित प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शामिल हैं। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार, अगले सप्ताह प्रस्वीकृति कमेटी की बैठक होगी। इससे पहले सभी आवेदक स्कूलों का स्थल निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मान्यता दी जाएगी।

नियमों के अनुसार कक्षा 1 से 5 तक 60 बच्चों पर 2 शिक्षक अनिवार्य, 61 से 90 बच्चों पर 3 शिक्षक, 91 से 120 बच्चों पर 4 शिक्षक,121 से 200 बच्चों पर 5 शिक्षक,150 बच्चों पर 5 शिक्षक और 1 प्रधानाध्यापक और 200 से अधिक बच्चों पर छात्र-शिक्षक अनुपात 40 से अधिक नहीं होगा। कक्षा 6 से 8 के लिए शिक्षक व्यवस्थाः हर कक्षा में कम से कम 1 शिक्षक, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा विषय के शिक्षक जरूरी, हर 35 छात्रों पर 1 शिक्षक,100 से अधिक छात्रों पर पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक और कला, स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा शिक्षक भी होना अनिवार्य हैं।

'घायल हाथ, अडिग हौसला' मुजफ्फरपुर की जिज्ञासा ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल में धमाका किया

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड के बसुआ गांव की बेटी जिज्ञासा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से पूरे इलाके का नाम रोशन कर दिया है। जिज्ञासा का चयन 69वीं राष्ट्रीय स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता अंडर-17 में बिहार टीम के लिए हुआ है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आयोजित हो रही है, जहां जिज्ञासा बिहार टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जिज्ञासा, गांव के किसान मनोज ठाकुर और बेबी कुमारी की पुत्री हैं और वर्तमान में जीडी मदर विद्यालय मुजफ्फरपुर में कक्षा दसवीं की छात्रा हैं।

संघर्ष और मेहनत की कहानी जिज्ञासा की सफलता के पीछे उनकी कठिन मेहनत और संघर्ष की कहानी भी है। बचपन में ऊंची जगह से गिरने के कारण उनका हाथ बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया था। इस दौरान वह कई महीनों तक उस

हाथ से कोई काम नहीं कर पा रही थीं। लेकिन हार न मानकर लगातार अभ्यास और संघर्ष के दम पर आज वही हाथ उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बास्केटबॉल खेलने में मदद कर रहा है। सामान्य परिवार से होने के बावजूद जिज्ञासा के पिता ने उनकी शिक्षा और खेल प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें शहर में पढ़ाने का निर्णय लिया। उनकी इसी सोच और जिज्ञासा की मेहनत का परिणाम आज सामने आया है। जिज्ञासा के अंडर-17 बिहार टीम में चयन की खबर मिलते ही बसुआ गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

दादी हुई भावुक

जिज्ञासा की दादी ने भावुक होते हुए कहा कि उनकी पोती बचपन से ही संघर्षशील रही है और उसे खेल का शौक था। हाथ टूटने के बावजूद उसने हार नहीं मानी और मेहनत से आज वह राष्ट्रीय स्तर पर खेल रही है। दादी ने उम्मीद जताई कि जिज्ञासा जिला और राज्य का नाम ऊंचा करेगी और देश के लिए भी खेलकर बिहार का नाम रोशन करेगी। जिज्ञासा की यह उपलब्धि न केवल बसुआ गांव बल्कि पूरे औराई प्रखंड की बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

पटना में 11 जगह लगेंगे नए फायर हाइड्रेंट आग लगी तो तुरंत होगा राहत काय 1.23 करोड़ होंगे खर्च

पटना, एजेंसी।

पटना में आग लगने पर जल्द स्थिति को नियंत्रण में लिया जाएगा। पटना नगर निगम क्षेत्र में 11 नए फायर हाइड्रेंट लगाए जाएंगे। इसमें करीब 1.23 करोड़ रुपए खर्च आएगा। इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि उपलब्ध करा दी है।

इसमें प्रति यूनिट 11 लाख 23 हजार 700 रुपए की लागत आएगी। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से चिह्नित स्थानों पर इसे इंस्टॉल किया जाएगा। हर स्थान पर 600 वर्ग फुट क्षेत्र में फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। फायर हाइड्रेंट लगने से अग्निशमन वाहनों को मौके पर ही पानी की सुविधा मिलेगी। इससे आग पर जल्दी काबू पाया जा सकेगा और जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकेगा। पटना नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की 19वीं साधारण बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी थी।

कंकड़बाग अंचल में छह जगह पर लगेंगे फायर हाइड्रेंट कंकड़बाग अंचल में छह जगह पर फायर हाइड्रेंट लगेंगे। वार्ड संख्या-29 अंतर्गत जक्कनपुर थाना रोड में आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी और चाणक्य नेशनल यूनिवर्सिटी के बीच एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। वहीं, वार्ड 34 में टेम्पो स्टैंड और पाटलीपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नजदीक स्थित स्लम एरिया में एक-एक फायर हाइड्रेंट लगेगा। इसके साथ ही वार्ड-35 में कंकड़बाग स्थित विकलांग अस्पताल के पास स्लम एरिया में एक फायर हाइड्रेंट लगेगा। इसी तरह वार्ड-44 में मलाही पकड़ी चौक के पास पार्क के बगल में और वार्ड-46 में बहादुरपुर सेक्टर 7 में प्ले फील्ड के पास स्लम एरिया में एक-एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा।

बांकीपुर अंचल में 3 स्थानों पर फायर हाइड्रेंट

पटना नगर निगम के वार्ड 47 में सैदपुर हॉस्टल के सामने स्लम बस्ती में फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। वहीं, काजीपुर रोड नंबर-2 पर अवर सचिव के आवासीय परिसर के नजदीक और लोहानीपुर स्थित अंबेडकर कॉलोनी में पार्क के सामने एक-एक फायर हाइड्रेंट का अधिष्ठापन किया जाएगा।

नूतन राजधानी अंचल में नेहरू नगर टैक्स भवन कार्यालय रोड स्थित नेहरू नगर के कोना पर स्लम बस्ती में एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। इसके साथ ही, अदालतगंज रोड स्थित सीपीआई क्वार्टर और नाला के कोने के पास खाली जगह पर एक-एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा।

2000 जरूरतमंदों के बीच मकर संक्रांति पर्व मनाया औरंगाबाद में लोगों को दिया कंबल

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के देव प्रखंड के बाबू खडीहा गांव में आज गांव से दूर रहकर भी गांव के प्रति प्रेम की झलक दिखी। यहां 2000 दलित, महादलित, कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ मकर संक्रांति का महापर्व मनाया गया। इस दौरान सभी को चूड़ा, दही, तिलकुट खिलाया गया। साथ ही उन्हें कम्बल देकर विदा किया गया। यह आयोजन पिछले 21 साल से हो रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद की उपाध्यक्ष किरण सिंह, वरीय राजद नेता इंजीनियर सुबोध कुमार सिंह, देव व्यापार मंडल के अध्यक्ष अरविंद सिंह,उदय प्रताप सिंह, संजीव कुमार सिंह उर्फ राजू आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। लोगों को आभार किया व्यक्त अपने संबोधन में उपाध्यक्ष ने इस कार्यक्रम की न सिर्फ सराहना की बल्कि इस आयोजन से जुड़े लोगों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। जो तन मन धन से निस्वार्थ भाव से इस परमार्थ का काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस ठंड में कांपते बदन को कम्बल का सहारा देकर उन्हें कृतार्थ किया है,उससे बड़ा पुण्य नहीं हो सकता। वरीय राजद नेता सुबोध सिंह ने कहा कि इस आयोजन के सूत्रधार गांव के ही देव कुमार सिंह हैं। जो अभी रामगढ़ रांची के वासी हो गए है। लेकिन गांव से दूर रह कर भी उनकी आत्मा अपने पूरे पंचायत के लोगों के साथ जुड़ी है और पिछले 21 साल से उनके दिशा निर्देश पर यह आयोजन निर्बाध गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज अस्वस्थता के कारण वे यहां उपस्थित नहीं हो सके है, लेकिन उनके प्रतिनिधि बनकर उदय प्रताप सिंह यहां मौजूद है। राजद नेता ने कहा कि यहां की मिट्टी का प्यार ही सभी को अपने परिवार और समाज से जोड़ रखा है और यह प्यार आगे भी बरकरार रहेगा।

इलाज के दौरान मरीज की मौत परिजन ने लगाया लापरवाही का आरोप, मार्च में थी शादी

गया जी, एजेंसी। गया जी शहर के एपी कॉलोनी स्थित एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान डोभी प्रखंड के कूसा गांव निवासी देवकी यादव की मौत हो गई, जिससे अस्पताल में हड़कंप मच गया। मृतक की बेटी की शादी मार्च में तय थी, लेकिन इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। जानकारी के अनुसार, देवकी यादव पिछले चार दिनों से स्पाइन से जुड़ी बीमारी के इलाज के लिए नर्सिंग होम में भर्ती थे। सोमवार को उनका स्पाइन ऑपरेशन किया गया, लेकिन इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि इलाज के नाम पर अब तक करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च किए गए, बावजूद इसके समुचित इलाज नहीं किया गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिसर में हंगामा और तोड़-फोड़ की। घटना की सूचना मिलने पर रामपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आक्रोशित परिजनों को समझाने-बुझाने में जुट गई। पुलिस अब नर्सिंग होम के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है, जबकि मृतक के परिजन डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

थाने से 200 मीटर दूर हत्या, 50 रुपये के विवाद में गई पीएचडी कर्मी की जान, दरभंगा हत्याकांड का खुलासा

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में पीएचडी विभाग के कर्मचारी पवन प्रसाद की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यह हत्या महज 50 रुपये के किराए के विवाद में दो नाबालिग लड़कों ने की थी। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना 9 जनवरी की सुबह करीब चार बजे की है। दोनों नाबालिग दरभंगा रेलवे स्टेशन से ई-रिक्शा पर सवार होकर लहेरियासराय के कमर्शियल चौक पहुंचे थे। वहां उतरने के बाद चालक पवन प्रसाद ने 150 रुपये किराया मांगा, जबकि दोनों लड़के 100

रुपये ही देने पर अड़े थे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। किराए को लेकर बहस इतनी बढ़ गई कि एक नाबालिग ने जेब से चाकू निकालकर पवन प्रसाद के गले पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पवन सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना लहेरियासराय थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई थी, जिससे पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी के निर्देश पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में दो लड़के घटना के बाद बालोदिया ट्रेडर्स के पास वाली गली से भागते नजर आए। इसके बाद तकनीकी जांच के आधार पर सात दिन बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक की पहचान बहेड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले पवन प्रसाद के रूप में हुई थी। वह दरभंगा के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थे और अतिरिक्त आमदनी के लिए पार्ट टाइम ई-रिक्शा चलाते थे। पुलिस के अनुसार, पवन का पहले भी विवादों से नाता रहा था

औरंगाबाद में मिलेनियम कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

भोजपुर की अमृता-आकांक्षा की तूफानी पारी दिखी, यूपी गर्ल्स टीम 63 रनों से परास्त

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के हसपुरा में मिलेनियम कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 आयोजित हुई। इसका भव्य शुभारंभ आज रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह में खेल, संस्कृति और सामाजिक संदेश का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय क्रिकेटर्स ने की। कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं एनएसएसटी स्कूल के बच्चों ने हजारों दर्शकों के सामने अनुशासित और आकर्षक प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं।भोजपुरी और यूपी

की टीम के बीच खेला गया उद्घाटन मैच उद्घाटन मैच बिहार के भोजपुर गर्ल्स क्रिकेट टीम और उत्तर प्रदेश गर्ल्स टीम के बीच खेला गया, जिसमें बिहार की टीम ने एकतरफा मुकाबले में यूपी को 63 रनों से पराजित कर दिया। बिहार की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने यूपी की टीम पूरी तरह बेबस नजर आई। टॉस जीतकर यूपी की कप्तान मंशा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बिहार की ओर से सलामी बल्लेबाज प्रियांशी और आकांक्षा मैदान पर उतरीं। शुरुआत में दोनों ने संयम से खेलते हुए 29 रनों की साझेदारी की। दूसरे ओवर में यूपी की गेंदबाज श्वेता ने प्रियांशी को बोल्ड कर दिया। इसके बाद क्रीज पर आई अमृता ने आकांक्षा के साथ मिलकर तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 114 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अमृता ने मात्र 26 गेंदों पर 52 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि आकांक्षा ने भी आक्रामक अंदाज में रन बटोरे। निर्धारित 12 ओवर में बिहार की टीम ने 150 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 87 रनों पर ही सिमट गई यूपी की टीम 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी की टीम की शुरुआत बेहद धीमी रही। सलामी बल्लेबाज शिल्पी और गीतांजलि ज्यादा देर तक टिक नहीं सकीं। चार रन के स्कोर पर ही गीतांजलि वर्षा की गेंद पर शॉर्ट मिडविकेट पर कैच आउट हो गईं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

गुरुद्वारे में गूंजा कीर्तन पाठ, छका लंगर

लखनऊ, एजेंसी। गुरुद्वारा मानसरोवर में मकर संक्रांति पर बुधवार को सहज कीर्तन पाठ हुआ। शाम को दीवान सजा और कथा सुनाई गई। बाद में श्रद्धालुओं ने लंगर छका। गुरुद्वारे के सचिव गगनदीप सिंह बग्गा ने बताया कि सुबह सहज पाठ का आयोजन कीर्तन जत्था सरबजीत सिंह की ओर से किया गया। हेड ग्रंथी परमजीत सिंह ने संगत को कथा सुनाई। मौके पर गुरुद्वारा के अध्यक्ष संपूर्ण सिंह बग्गा, महासचिव चरनजीत सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

29 से तीन ट्रेनों का संचालन होगा बाधित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर रेलवे के जालंधर सिटी यार्ड के फिरोजपुर कैंट लाइन के पुल पर इंजीनियरिंग कार्य होना है। इसके चलते 29 से 31 जनवरी के बीच तीन ट्रेनों का संचालन बाधित होगा। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि अमृतसर से 29 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से एक घंटे और रूट पर आधे घंटे रोककर चलाई जाएगी। वहीं, कटिहार से 29 को चलने वाली गाड़ी संख्या 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस फिरोजपुर मंडल में पौन घंटे नियंत्रित कर चलाई जाएगी। अमृतसर से 31 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से डेढ़ घंटे और रूट पर 40 मिनट नियंत्रित की जाएगी।

शाहमीना शाह दरगाह पर पढ़ा फातेहा

लखनऊ, एजेंसी। हजरत मखदूम शाहमीना के महाना कुल की महफिल में अकीदतमंदों ने कुरान की तिलावत व फातेहा पढ़कर इसाले सवाब पेश किया। इस दौरान नाअत व मनकबत का सिलसिला चला। चौक मेडिकल कॉलेज चौराहा स्थित हजरत मखदूम शाहमीना शाह दरगाह पर महाना कुल की महफिल सजी। मीनाई एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित महफिल में दरगाह के सज्जादानशीन शेख राशिद अली मीनाई ने अकीदतमंदों का स्वागत किया। काकोरी के कव्वाल नोमान हुसैन ने नात, हम्द व मनकबत से अकीदत का इजहार किया। देर रात तक सूफियाना कलाम पेश किए गए। कुल में संडीला स्थित सागर मियां दरगाह के सज्जादानशीन मुरगीस सागरी, शायर मो. अली साहिल, बेनजीर शाह वारसी, सूफी इजहार अली, अयाज अहमद, जमील बशीरी, मो. कफील, अखलाक अहमद, एहसन रईस, निसार अहमद, मो. मक्की, इरशाद खां, मो. काजिम, मो. अनीस, पीरजादा रईस मीनाई, अमान मीनाई, मजहर मीनाई, रेहान मीनाई, मोहम्मद सलीम, कारी इस्लाम, कारी शरफुद्दीन, मसूद शामिल हुए।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सरोजनीनगर। क्षेत्र में बुधवार दोपहर तेज रफ्तार अज्ञात डंपर की टक्कर लगने से बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बुधवार दोपहर करीब 2 :00 बजे कानपुर की ओर से लखनऊ आ रहे बाइक सवार को सरोजनी नगर के कानपुर रोड स्थित दरोगा खेड़ा चौराहे पर तेज रफ्तार अज्ञात डंपर की टक्कर लग गई। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे सरोजनी नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति का कहना है कि मृतक की बाइक में मिले कागजातों के आधार पर उसकी पहचान कानपुर के बाबू पुरवा निवासी 52 वर्षीय शाहनवाज आलम के रूप में हुई है।

गायत्री मंत्र का नियमित जप बढ़ाता है एकाग्रता : डॉ. दीपक

लखनऊ, एजेंसी। गायत्री परिवार की ओर से बुधवार को सरोजनीनगर स्थित उद्यमिता विकास संस्थान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. प्रवीण सिंह दीपक ने कहा कि गायत्री मंत्र के नियमित जप से स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, साहस व सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही भारतीय संस्कृति से जुड़ने, चरित्र निर्माण व राष्ट्र निर्माण की दिशा में बढ़ने के लिए कहा। परीक्षा संयोजक अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना बेहद जरूरी है। गायत्री परिवार पूरे देश में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ श्रेष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे उनमें प्रेम, करुणा, सेवा, संवेदना व साहस के भाव विकसित हों। उन्होंने बताया कि 50 से अधिक विद्यालयों के 300 से ज्यादा विद्यार्थियों व अध्यापकों ने सहभागिता की। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनिल तिवारी, डॉ. एसएन सचान, सुमित वर्मा, पंकज पटेल आदि थे। संचालन नरेंद्र सक्सेना ने किया।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों के सुखमय-समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की

सीएम योगी ने चढ़ाई गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी

गोरखपुर , एजेंसी। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय-समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की।

महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधवार से ही पूरे प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र धर्म स्थलों पर जाकर आस्था को नमन कर रहे हैं। गोरखपुर में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने महायोगी भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। लाखों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के संगम में आस्था की पवित्र डुबकी भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिलसिला लगातार आज गुरुवार को भी जारी है।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाना मेरा सौभाग्य : सीएम योगी ने कहा कि आज गुरुवार को गोरखपुर में भगवान गोरखनाथ जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन पंक्ति में लगकर श्रद्धापूर्वक खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी प्रातः 4 बजे गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि गोरखनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने आए हुए हैं।

जगत की आत्मा हैं सूर्यदेव : मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पर्व और त्योहारों की परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। वास्तव में सूर्यदेव इस जगत की आत्मा हैं। जगतपिता सूर्य की उपासना का यह पर्व, हर प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए प्रशस्ति तिथि माना जाता है। आज के बाद से सनातन धर्म की परंपरा में सभी मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि सूर्य का जो अयनवृत्त है, ज्योतिषी परंपरा के अनुसार वह 12 विभिन्न भागों में विभाजित है। एक राशि से दूसरे राशि में सूर्यदेव के संक्रमण को संक्रांति कहा जाता है और जब धनु राशि से मकर राशि में भगवान सूर्य का संक्रमण होता है तो यह मकर संक्रांति कहलाता है। मकर राशि से अगले छह माह तक यानी मिथुन राशि तक सूर्य भगवान उत्तरायण रहेंगे। उत्तरायण का जो समय होता है उसमें दिन बड़े और रात्रि छोटी होती है। जीवंतता के लिए सूर्य का प्रकाश कितना महत्वपूर्ण है और भारत की ऋषि परंपरा ने इसे कितना महत्व दिया है, इसका अनुमान इव पर्व के माध्यम से लगाया जा सकता है।

अलग-अलग नाम व रूपों में मकर संक्रांति के आयोजन देश के सभी हिस्सों में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व एक ऐसा पर्व है जो देश के अंदर पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण सभी हिस्सों में अलग-अलग नाम और रूप में आयोजित होता है। पूरब में बिहू या तिलवा संक्रांति, पश्चिम में लोहड़ी, दक्षिण भारत में पोंगल और उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में मकर संक्रांति का आयोजन बड़ी श्रद्धाभाव के साथ किया जाता है।

सीएम योगी ने किया देश और दुनिया से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन : मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेश के अलग-अलग धर्मस्थलों पर देश और दुनिया से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति मंगल में शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि एक तरफ गोरखपुर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी अर्पित कर रहे हैं। तो, वहीं प्रयागराज में लाखों की संख्या में श्रद्धालु, कल्पवासी, पूज्य संतजन प्रयागराज की धरती पर उपस्थित होकर न केवल अपनी साधना में रत हैं अपितु भगवान बेनीमाधव, भगवान प्रयागराज और मां गंगा, मां जमुना, मां सरस्वती के सानिध्य में संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगा रहे हैं।

शराब, शक और खूनी अंजाम: 12 दिन पहले ही तोड़े थे पत्नी के पैर

पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा, तो बहू का खून से लथपथ शव मिला

शराब का लती होने से घर में रुपयों को लेकर आए दिन विवाद होता था।

उन्नाव , एजेंसी। नशे में होने के बाद ई-रिक्शा चालक संजय आपा खो देता था। वह पत्नी की किसी से मोबाइल पर वीडियो कॉल करने की बात कहकर पिटाई करता था। हालांकि पुलिस की जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला। मां ने बताया कि बेटे ने 12 दिन पहले भी बहू को इतना पीटा था कि उसके दोनों पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उस दौरान किसी ने संजय के खिलाफ तहरीर नहीं दी थी। ऐसा होता तो उस पर कार्रवाई होती, तो शायद यह घटना न होती। एक साल पहले भी उसने छत से कूदकर आत्महत्या की कोशिश की थी। इस पर पुलिस ने आकर बचाया था।

मां सियादुलारी ने बताया कि संजय एक साल पहले कानपुर में ई-रिक्शा चोरी में जेल गया था। छह महीने पहले ही जमानत पर घर आया था। शराब का लती होने से घर में रुपयों को लेकर आए दिन विवाद होता था। बेटे के गुस्से के डर से वह पौत्र हर्ष और पौत्री खुशी को घर में न रखकर 700 मीटर दूर रिश्तेदार नन्हक्के के घर में लेटती थी। बहू के फोन पर बात करने पर सियादुलारी का कहना था कि हमें ऐसा कभी कुछ नहीं लगा। सास ने बताया कि नौ साल पहले दोनों का विवाह हुआ था। बहू वंदना का मायका औरास के गणेशखेड़ा गांव में है। वह छह भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी।

मां की हत्या और पिता के आत्महत्या कर लेने से वृद्ध सियादुलारी के कंधों पर दो बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी आ गई। सियादुलारी ने बताया कि बड़ा बेटा संतोष परिवार के साथ 30 साल से लखनऊ में रह रहा है। वह संजय के परिवार से वास्ता नहीं रखता। दूसरे बेटे सजीवन ने विशेष वर्ग की युवती से विवाह कर लिया था। 25 साल से उसका भी कोई वास्ता नहीं है। तीसरा बेटा पप्पू दुष्कर्म के मामले में फतेहगढ़ जेल गया था। 14 साल पहले उसकी वहां मौत हो गई थी।

नौनिहालगंज मोहल्ले में मंगलवार रात शराब के लती ई-रिक्शा चालक ने पहले पत्नी को डंडे से पीटा फिर रस्सी से उसका गला घोंट दिया। इसके बाद फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार की सुबह पड़ोसियों ने शव फंदे से लटका देखा, तो पड़ोस में रह रही वृद्ध मां को जानकारी दी। मां ने बहू के कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, तो वह अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा, तो बहू का खून से लथपथ शव मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की डंडे से हमले की पांच चोटें और गला कसकर हत्या वहीं पति की हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई है।

आम जिंदगी में करें सेवानिवृत्त सैनिकों की मदद : प्रो. बघेल

लखनऊ, एजेंसी। सेना में जुगाड़ से काम नहीं होते, लेकिन आम जिंदगी में होते हैं। इस कारण जब सैन्यकर्मी सेवानिवृत्त होकर आम जीवन जीते हैं तो उन्हें गुस्सा आता है, जो स्वाभाविक है। ऐसे में शासन-प्रशासन, अधिकारियों व आम लोगों को इनकी समस्याओं को समझते हुए सहयोग करना चाहिए।

छावनी स्थित सूर्या ऑडिटोरियम में मुख्यालय मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया की ओर से 10वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जो लोग हड़ताल से अपनी बात नहीं कहते, उनके बारे में कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका को सोचना चाहिए। यूपी सरकार शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये देती है।

उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों की पत्नियों को गैस, पेट्रोल पंप मिला, लेकिन मां बाप को कुछ नहीं मिलता। यह अच्छी बात है कि यूपी सरकार 30 प्रतिशत रकम मां-बाप को देती है।

अवसर पर सम्मान स्मारिका का विमोचन भी किया गया। उन्होंने पूर्व सैनिकों से संवाद करने के साथ राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा, सामाजिक कल्याण एवं सैनिक कल्याण के अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू सहित 700 से अधिक पूर्व सैनिकों व वीर नारियों ने हिस्सा लिया। सभी पूर्व सैनिकों को शॉल भेंट की गई।

लगे स्टॉल, दी गई जानकारी

कार्यक्रम स्थल पर पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए स्टॉल भी लगाए गए। इनमें शिकायत निवारण काउंटर, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना सहायता डेस्क, चिकित्सीय परीक्षण सुविधाएं तथा कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल थे। उप्र. पूर्व सैनिक कल्याण निगम की ओर से प्रस्तुति दी गई, जो पूर्व सैनिकों के पुनर्वास, कल्याण एवं सशक्तीकरण से जुड़ी संभावनाओं पर केंद्रित थी।

चाहने वालों के दिल में हमेशा जिंदा रहेंगे कैफी आजमी

लखनऊ, एजेंसी। हाथ आकर लगा गया कोई, मेरा छप्पर उठा गया कोई, मेरा बचपन भी साथ ले आया, गांव से जब भी आ गया कोई। मशहूर शायर कैफी आजमी की इन पक्तियों को उनकी 107वीं जयंती पर बुधवार को आयोजित समारोह में प्रो. नलिन रंजन सिंह ने पढ़ा। मौका था पेपरमिल स्थित कैफी आजमी अकादमी में आयोजित सेमिनार का। इसके बाद खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया।

नलिन रंजन ने कहा कि कैफी आजमी को शायर के रूप में ज्यादातर लोग जानते हैं, लेकिन उनके कॉलमनिगार होने के बारे में चर्चा कम होती है। कैफी साहब का कॉलम नई गुलिस्तां के तहत उर्दू साप्ताहिक ब्लिट्ज में करीब एक दशक तक छपा। कॉलम में वे देश की समसामयिक समस्याओं पर भी चर्चा करते थे।

अध्यक्षता कर रहीं अफसानानिगार आयशा सिद्दीकी ने कहा कि कैफी जब भी लखनऊ आते तो मुझसे जरूर मिलते थे। कैफी चाहने वालों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। डॉ. अजरा जिरवी ने कैफी आजमी की नज्म औरत पढ़कर सुनाई। संचालन कर रहीं डॉ. रेशमा परवीन ने कहा कि कैफी का कलाम सीधा दिल पर असर करता है। उनकी शायरी ने अदब को नया मोड़ दिया।

समीना खान ने बताया कि कैफी ने 11 बरस की उम्र में पहली गजल लिखी, जिसका शेर था - इतना तो जिंदगी में किसी के खलल पड़े, हंसने से हो सुकून न रोने से कल पड़े। आजमगढ़ से आए वक्ता राजेश यादव ने कहा, कैफी आजमी प्रगतिशील शायर थे। उन्होंने तहरीक को अपना ओढ़ना-बिछौना बना लिया था। कार्यक्रम में 2015 में कैफी आजमी अवॉर्ड पाने वाली मशहूर रंगकर्मी ऊषा गांगुली के पूर्व में मंचित नाटक हम मुख्तारा की रिकार्डिंग दिखाई गई। अवसर पर कैफी आजमी एकेडमी के जनरल सेक्रेटरी सैय्यद सईद मेहंदी, उपाध्यक्ष खुर्शीद मेहंदी, उदयभान, आशीष यादव आदि मौजूद रहे।

महिला से लूटी बाली, दो किशोर पकड़े गए

लखनऊ, एजेंसी। दुबग्गा इलाके में बाइक सवार दो बदमाश 11 जनवरी को महिला से सोने की बाली लूट ले गए। बुधवार को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से सब्जी मंडी के पास से दो किशोरों को पकड़ा है। उनके पास छीनी गई बाली बरामद की गई है। इंस्पेक्टर दुबग्गा का कहना है कि दोनों के खिलाफ पहले से ही जानकीपुरम और चिनहट में आपराधिक केस दर्ज हैं।

दुबग्गा के सेक्टर-बी बसंतकुंज योजना निवासी अशोक कुमार मिश्र के मुताबिक 11 जनवरी की दोपहर ढाई बजे पत्नी उषा मोहल्ले की चार महिलाओं के साथ घर के बाहर धूप में खड़ी थीं। इस बीच बाइक सवार दो लुटेरे उनके कान से सोने की बाली लूट ले गए थे। छीना-झपटी में उनके बाएं कान में चोट भी लगी थी। अशोक कुमार मिश्रा ने दुबग्गा थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सुशांत गोल्फ सिटी के सुंदरापुरम निवासी सेवानिवृत्त थल सेना अधिकारी के बेटे राकेश बहादुर सिंह रोज की तरह 11 जनवरी की शाम 7:40 बजे टहलने निकले थे। भागीरथी एन्क्लेव के पास बाइक सवार दो लुटेरे पीछे से उनके हाथ से मोबाइल फोन लूट ले गए। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से लुटेरों के बारे में पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा, जौनपुर बदलापुर निवासी कुंवर ज्योतिरादित्य 11 जनवरी की रात 8:55 बजे अलीगंज स्थित श्याम स्वाद रेस्टोरेंट के पास मोबाइल फोन से मां से बात करते हुए जा रहे थे। इस बीच बाइक सवार दो लुटेरे उनके हाथ से आईफोन-16 प्रो लूट ले गए। इंस्पेक्टर अलीगंज अशोक कुमार सोनकर का कहना है कि लुटेरों की तलाश की जा रही है।

पेयजल की समस्या दूर करने को जुटे पार्षद और अफसर

लखनऊ, एजेंसी। इंदौर जैसी समस्या यहां पर भी न हो, उसको लेकर बुधवार को नगर निगम जोन दो के पार्षदों ने जलकल और नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें पार्षदों ने पेयजल को दूषित होने से बचाने के लिए सीवर सफाई पर जोर देने और अमृत मिशन योजना में पार्षदों को शामिल करने की मांग उठी।

कांग्रेस पार्षद दल की नेता ममता चौधरी ने कहा कि अमृत योजना में कहा पर क्या होना है इसकी कोई जानकारी पार्षदों को नहीं रहती है।

ऐसे में गलत तरह से पानी की लाइनें डाल दी जाती है। केबिल बिछाने वाली कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाई जाए। यह अवैध कटिंग कर पाइप लाइनें तोड़ देती हैं। जिससे पानी दूषित होता है। बैठक में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार और महाप्रबंधक जलकल कुलदीप सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक महीने बाद गड्ढा खोदकर निकाला गया बच्चे का शव, संदिग्ध हाल में हुई थी मौत

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले के बुढ़ऊ बाबा गांगी नदी से बुधवार की दोपहर पुलिस ने एक महीने बाद बच्चे के शव को जमीन खोदकर बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्चे की मां ने प्रार्थना पत्र देकर डीएम से गुहार लगाई थी। डीएम के आदेश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

चेवार पूरब (मूसऊपुर) गांव निवासी गुलाबचंद के इकलौते बेटे अयान (03) की संदिग्ध हाल में 14 दिसंबर को मौत हो गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, अयान के गले पर निशान बना हुआ था। परिजनों को आशंका थी कि अयान को भैंस ने कुचल दिया है। इस घटना की सूचना मिलते ही अयान के पिता उसी दिन मुंबई से घर के लिए रवाना हो गए थे। अयान को घायलावस्था में ग्रामीण व परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवगांव ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस पर परिजन शव घर लेकर आए और पुलिस को बिना सूचना दिए शव को गांगी नदी के किनारे गड्ढा खोदकर दफना दिया। इसके बाद जिलाधिकारी के आदेश पर बुधवार को सीओ लालगंज भूपेश पांडेय, कोतवाल देवगांव विमल प्रकाश राय फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशिक्षु आईपीएस प्रेम सुख दहिया की निगरानी में नदी किनारे गड्ढा खोदकर शव बाहर निकाला गया।

शिवली में भी सफल इंस्पेक्टर प्रवीन की परिश्रम पूर्ण कर्मठता, किसान हत्याकांड के सभी आरोपी गिरफ्तार

सुनील बाजपेई

कानपुर। मामूली विवाद में हुए मलिकपुर गांव निवासी 55 वर्षीय किसान देवकीनंदन पासवान हत्याकांड का पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता ने सटीक खुलासा कर दिया है। इस मामले में शिवली कोतवाल प्रवीन कुमार सिंह की अगुवाई में एसआई योगेंद्र कुमार द्वारा पुलिस टीम के साथ छापा मारकर गिरफ्तार किये गये इन आधा दर्जन आरोपियों के पास से 4 मोबाइल, एक हजार रुपये व हत्या में प्रयुक्त दो डंडा भी बरामद किए हैं।

प्राप्त जानकारी केमुताबिक शिवली कल्याणपुर मार्ग पर स्थित सुरभि एजूकेशन सेंटर में चौकीदार देवकीनंदन की पत्नी ममता तथा गोविंद सिंह की पत्नी संगम के बीच कहासुनी होने के साथ ही मारपीट हो गई थी। जिस पर गोविंद सिंह की पत्नी संगम के बुलाने पर आए नई बस्ती मिर्जापुर थाना कल्याणपुर कानपुर नगर में रह रहे उसके भाई आकाश छोटू, विजय सिंह उर्फ गोरे उसके साथी ग्राम गंगरौली थाना गजनेर हाल पता बारा सिरोही थाना कल्याणपुर निवासी अमन, ग्राम अठावल थाना ललौली जिला फतेहपुर हाल पता सनिगवां थाना चकेरी कानपुर नगर निवासी अनूप सिंह आदि ने देवकीनंदन पासवान की झोपड़ी पर धावा बोल, देवकीनंदन उसकी पत्नी ममता, पुत्री गोमती, खुशबू बेटू तथा पुत्र सूरज को मारपीट कर घायल कर दिया था। बाद में उपचार के दौरान देवकीनंदन की मौत हो गई थी ,जिसके बाद पुलिस ने पहले से दर्ज मारपीट के मुकदमे में हत्या की धारा तरमीम कर उनकी तलाश कर रही थी।

अवगत कराते चलें कि सभी हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के रूप में कानपुर देहात की जिस थाना शिवली पुलिस को यह महत्व पूर्ण सफलता मिली आजकल उस शिवली थाने की कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार के हाथ में है। सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके जुझारू इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार सिंह यादव के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

इसी के साथ उनकी कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही वह जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। वहीं कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

नई दिल्ली। I-PAC रेड मामले में ED की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने CM ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से दो हफ्तों के भीतर जवाब मांगा और कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ED के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ED अधिकारियों के खिलाफ दर्ज FIR पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है? ED ने 8 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस (TMC) के IT हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म (I-PAC) डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान CM ममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

मकर संक्रांति- प्रयागराज में 91 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देशभर के कई हिस्सों में गुरुवार को भी मकर संक्रांति मनाई जा रही है। संक्रांति को लेकर गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों के तटों पर लाखों लोग सुबह से डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज माघ मेले में आज मकर संक्रांति का स्नान पर्व है। संगम में शाम बजे तक 91 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पतंगबाजी से 17 लोगों की मौत मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान लगातार हादसे भी सामने आ रहे हैं। बीते दो दिनों में गुजरात में में 9 और राजस्थान में 6, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में 1-1 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी के वाराणसी के गंगा घाट और पश्चिम बंगाल के गंगासागर में स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी है। पंजाब के अमृतसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री दरबार साहिब में पवित्र स्नान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल का तिल के तेल से अभिषेक हुआ। भस्म आरती में भी तिल चढ़ाया गया और तिल के लड्डुओं का भोग लगा।

दिल्ली में एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकराया

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकरा गया। एयरलाइन ने बताया कि घने कोहरे में एयरबस A350 विमान को पार्किंग के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। हादसे में विमान के इंजन को नुकसान पहुंचा है। विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। एयरबस A350 की फ्लाइट AI101 दिल्ली से न्यूयॉर्क के बीच चलती है। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फ्लाइट को अपना मार्ग बदलना पड़ा और वह वापस दिल्ली लौट आई थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। कहा कि दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। एयरलाइन के अनुसार, घटना के बाद विमान को सुरक्षित रूप से निर्धारित पार्किंग स्थान पर खड़ा कर दिया गया। सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। विमान को जांच और जरूरी मरम्मत के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन ने चेतावनी दी है कि इससे कुछ A350 रूट्स पर उड़ानों में बाधा आ सकती है। साथ ही, प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था और रिफंड पर काम किया जा रहा है। एअर इंडिया ने कहा, हम पैसेंजर्स को उनकी पसंद के अनुसार वैकल्पिक यात्रा या रिफंड दिलाने में मदद कर रहे हैं। एअर इंडिया की सर्वोच्च प्राथमिकता सिक्योरिटी है। इस दौरान पैसेंजर्स को पूरा सहयोग दिया जाएगा।

श्रीनगर में पारा -5.2°, डल झील जमी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी जारी है। कश्मीर में न्यूनतम तापमान पिछले कई दिनों से शून्य से नीचे है। इसके कारण बुधवार को प्रसिद्ध डल झील और कश्मीर के कई जल स्त्रोत जम गए। श्रीनगर में मंगलवार की रात न्यूनतम तापमान -5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, राजस्थान में भी तापमान माइनस में पहुंच गया है। बुधवार को हिल स्टेशन माउंट आबू में तापमान माइनस 3 डिग्री रहा। सीकर के फतेहपुर में तापमान 0.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। राज्य में 19 जनवरी से हल्की बारिश की संभावना है। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने हरियाणा में गलन बढ़ा दी है। यहां 8 जिलों में बुधवार को पारा 8 डिग्री तक गिर गया। हिसार में सर्दी का पिछले दो साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री दर्ज हुआ। हिसार में 15 जनवरी, 2025 को 3.5 डिग्री और 16 दिसंबर, 2024 को 1.1 डिग्री तक पहुंचा था। उत्तराखंड के हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भीषण सर्दी के कारण गुरुवार को 12वीं क्लास तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट है। यहां नदी और झरनों में पानी जम गया है।

ऑपरेशन-सिंदूर में शहीद जवान की मां मेडल लेते बेहोश हुईं

जयपुर। जयपुर की सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड गुरुवार को जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया। परेड की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित करने के साथ हुई थी। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स ने परेड कमांडर को सलामी दी। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स परेड को लीड कर रहे थे।

पाकिस्तान बोला-भारत से संघर्ष के बाद हमारे फाइटर-जेट्स डिमांड में

एजेंसी, इस्लामाबाद

दावा- 6 मुस्लिम देशों को JF-17 बेचने की बात चल रही, इसमें बांग्लादेश भी

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का दावा है कि भारत के साथ पिछले साल मई में हुए संघर्ष के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की डिमांड बढ़ गई है। रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक, उन्होंने बुधवार को कहा किया कि कई देश पाकिस्तानी फाइटर जेट्स खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किन फाइटर जेट्स की डिमांड बढ़ी है। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कई देश पाकिस्तान JF-17 थंडर फाइटर जेट्स खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इनमें बांग्लादेश, सूडान, लीबिया, सऊदी अरब, इराक और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं।

इंडोनेशिया, बांग्लादेश और सऊदी अरब से डील कर रहा पाकिस्तानः रॉयटर्स के मुताबिक, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने 12 जनवरी को पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्धू से मुलाकात की और करीब 40 JF-17 खरीदने पर बात की। वहीं बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार के मुताबिक, पाकिस्तान, बांग्लादेश को भी JF-17 फाइटर जेट बेचेगा। इसको लेकर दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच बातचीत हो चुकी है। इसी तरह रॉयटर्स की रिपोर्ट मे दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने 7 जनवरी को सऊदी अरब को JF-17 बेचने को लेकर बात की है। पाकिस्तान सऊदी अरब से मिले 2 अरब डॉलर के लोन के बदले यह सौदा कर रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि पाकिस्तानी सेना ने अभी तक लीबिया या सऊदी अरब के साथ इस समझौतों को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। बांग्लादेश ने भी अभी तक पाकिस्तान के साथ किसी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किए हैं।

नाइजीरिया, म्यांमार और अजरबैजान के पास पहले से JF-17 मौजूदः रॉयटर्स की 9 जनवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 सालों में कई देशों ने पाकिस्तान का JF-17 थंडर फाइटर जेट खरीदने की इच्छा जताई है। नाइजीरिया, म्यांमार और अजरबैजान के मिलिट्री बेड़े में पहले से ही यह जेट शामिल है। अल-जजीरा के मुताबिक, इसके पहले पाकिस्तान ने दिसंबर 2025 में लीबिया के विद्रोही गुट, लीबियाई नेशनल आर्मी (LNA) को 4 अरब डॉलर में एक दर्जन से ज्यादा JF-17 फाइटर जेट बेचने का सौदा किया था। ये पाकिस्तान के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी हथियारों की डील कही जा रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि पाकिस्तान सुडान के साथ भी 12,500 करोड़ रूपए की डिफेंस डील करने वाला है, जिसमें JF-17 फाइटर जेट भी शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, JF-17 थंडर एक मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है।

रिपोर्ट- ईरान की ओर बढ़ रहा अमेरिकी वॉरशिप

♦ **एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसेस अब्राहम लिंकन भी शामिल, वेनेजुएला में हमले से पहले ऐसे ही घेराबंदी की थी**

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन के बीच अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी में है। अमेरिकी नौसेना का USS अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ साउथ चाइना सी से मिडिल ईस्ट की ओर रवाना हो गया है। USS अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट न्यूज नेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, ये फैसला ईरानी एयरस्पेस के बंद होने के ठीक एक घंटे बाद लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्राइक ग्रुप को चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए साउथ चाइना सी में तैनात किया था, लेकिन अब इसकी मूवमेंट देखी गई है। इसे मिडिल ईस्ट पहुंचने में करीब एक हफ्ता लग सकता है। हालांकि, अभी तक अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिका ने वेनेजुएला में भी हमले से पहले इसी तरह तैनाती बढ़ाई थी।

मिडिल ईस्ट में कोई अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात नहीं: न्यूज नेशन की व्हाइट हाउस संवाददाता केली मेयर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह ग्रुप अब साउथ चाइना सी से सेंट्रल कमांड (CENTCOM) क्षेत्र की ओर जा रहा है। जो मिडिल ईस्ट, उत्तर-पूर्वी अफ्रीका, सेंट्रल एशिया और साउथ एशिया के 21 देशों को कवर करता है। फिलहाल मिडिल ईस्ट में कोई अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप मौजूद नहीं है। इससे पहले USS अब्राहम लिंकन साउथ चाइना सी में रूटीन ऑपरेशन कर रहा था।

मायावती बोलीं- ब्राह्मणों को चोखा-बाटी नहीं, सम्मान चाहिए

♦ **बर्थडे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट, धुआं भरा, बिना केक काटे वापस गईं**

एजेंसी, लखनऊ

बसपा प्रमुख मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अफरा-तफरी के हालत बन गए। दरअसल, लखनऊ के पार्टी दफ्तर में मीडिया से बात करते वक्त हॉल की छत पर लगी लाइट में शॉर्ट सर्किट हो गया। चिनगारी निकलने लगी। देखते ही देखते हॉल में धुआं भर गया। कॉन्फ्रेंस हॉल में मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। तुरंत ही सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और अग्निशमन यंत्रों का इस्तेमाल कर हालात पर काबू पाया। तुरंत बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर दी गई। मायावती बिना केक काटे और मीडिया के सवाल लिए बिना ही रवाना हो गईं। इससे पहले बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी।

जम्मू-कश्मीर को दो अलग राज्य बनाने की मांग

एजेंसी, श्रीनगर

सज्जाद लोन बोले- सौहार्दपूर्ण अलगाव पर विचार का समय, कश्मीर को आतंकवादी बताने वाला रवैये मंजूर नहीं

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने जम्मू और कश्मीर को दो अलग राज्यों में बांटने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच सौहार्दपूर्ण अलगाव पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। लोन ने कहा कि कश्मीर ऐसे क्षेत्रीय रवैये को बर्दाशत नहीं कर सकता, जो लगातार कश्मीरियों को बदनाम करता रहा। देश के बाकी हिस्सों में यह धारणा फैलाए कि जम्मू देश के साथ है और कश्मीर आतंकवाद का क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री सज्जाद लोन ने यह बातें बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। कुछ दिन पहले भाजपा के जम्मू नॉर्थ से विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि जम्मू अब कश्मीर का बोझ नहीं उठा सकता।

कश्मीर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की मांगः लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से कश्मीर के बडगाम में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (NLU) स्थापित करने का चुनावी वादा पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा यही है कि किए गए वादे को निभाया जाए और यूनिवर्सिटी बडगाम में ही रहे। लोन ने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच प्रशासनिक व्यवस्था पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। शायद अब सौहार्दपूर्ण अलगाव का समय आ गया है। यह सिर्फ विकास से जुड़ा मामला नहीं है। जम्मू अब कश्मीर को निशाना बनाने का जरिया बन गया है।

लोन बोले- बिचौलियों की जरूरत नहीं: लोन ने कहा कि कश्मीर का भारत के बाकी हिस्सों से जुड़ाव उन लोगों के जरिए नहीं हो सकता, जो लगातार कश्मीर की छवि खराब करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना है, तो यह ऐसे बिचौलियों के जरिए नहीं हो सकता जो कश्मीरियों को लगातार बदनाम करते है। देश से कहते है कि कश्मीर आतंकवादी क्षेत्र है।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने कहा- कश्मीर में बदली भावनाएंः लोन ने कहा कि कश्मीर में क्षेत्रीय संबंधों को लेकर भावनाएं काफी बदल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण जैसे मुद्दों पर कश्मीरियों को पीछे किया जा रहा है।अब लोग इसे और सहन नहीं कर पा रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि कश्मीर में अलगाव की इच्छा पहले से कहीं ज्यादा बढ़ चुकी है। अब नेतृत्व को साफ-साफ बात कहने की जरूरत है। गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग कर विवाद खड़ा किया था। हालांकि बाद में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने इस बयान से दूरी बनाते हुए कहा था कि यह पार्टी का रुख नहीं है।

ट्रम्प बोले- गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत, कुछ न कुछ हल निकालेंगे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री बोली- अमेरिका का गुलाम नहीं बनना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फिर से ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा कि कुछ न कुछ हल निकल आएगा। ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया है। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल रक्षा प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से अमेरिका को बचाना है। ट्रम्प का यह बयान व्हाइट हाउस में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों के बीच हुई हाई कमेटी बैठक के बाद आया है। इस बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ। बैठक के बाद ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्ज़फेल्ड ने कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है। लेकिन ग्रीनलैंड पर अमेरिका का राज स्वीकार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, "अमेरिका के साथ अपने सहयोग को मजबूत करना हमारे लिए ठीक है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम अमेरिका के गुलाम होना चाहते हैं।"

ट्रम्प बोले- NATO को हमारी मदद करनी चाहिएः उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया, तो रूस या चीन इसे ले लेंगे और वे ऐसा कभी नहीं होने देंगे। ट्रम्प का कहना है कि NATO को इस मामले में आगे आना चाहिए और अमेरिका को ग्रीनलैंड दिलाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ग्रीनलैंड अमेरिका के हाथ में होने से NATO और ज्यादा मजबूत और प्रभावी हो जाएगा।

ग्रीनलैंड पर चर्चा के लिए वर्किंग ग्रुप बनेगाः व्हाइट हाउस में बुधवार को हुई बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्ज़फेल्ट शामिल हुईं। इस बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है। हालांकि, बैठक के बाद तीनों पक्षों ने ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई, जिसकी बैठकें आने वाले हफ्तों में होंगी। रासमुसेन ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ असहमति बनी हुई है। हमारा रुख काफी अलग है। उन्होंने ट्रम्प के ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जा करने के विचार को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा, 'हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि यह डेनमार्क के हित में नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश आर्कटिक में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं, जिसमें ग्रीनलैंड में और ज्यादा अमेरिकी सैन्य अड्डे बनाने की संभावना भी शामिल है।

रांची ईडी ऑफिस में जांच करने पहुंची झारखंड पुलिस

♦ **अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट का आरोप, सेंट्रल फोर्स के जवान बुलाए गए**

एजेंसी, रांची

रांची के ED ऑफिस में झारखंड पुलिस जांच करने के लिए पहुंची है। दरअसल, ED के दो अफसरों पर एक व्यक्ति ने पूछताछ के नाम पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। ED दफ्तर में सदर DSP और एयरपोर्ट थाना के प्रभारी मौजूद हैं। वहीं ED ने सुरक्षा के लिहाज से सेंट्रल पुलिस फोर्सेस को बुलाया है। रांची पुलिस की ओर से अब भी जांच चल ही रही है।

पेयजल विभाग के कर्मचारी ने दर्ज कराई FIR: रांची के चुटिया के संतोष कुमार ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के दो अधिकारियों पर मारपीट, जानलेवा हमला, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में FIR दर्ज कराई है। इस मामले में ED के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रतीक और असिस्टेंट शुभम को आरोपी बनाया गया है। संतोष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल रांची में कैशियर हैं। उन पर शहरी जलापूर्ति योजना की राशि में से 20 करोड़ रुपए से अधिक का गबन करने का आरोप है।

असम के छात्र के चेहरे पर मारे लात-घूंसे, नाक टूटी

♦ **एमपी की आदिवासी यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुसकर पीटा, पीड़ित बोला- हत्या का डर**

एजेंसी, अनूपपुर

मध्यप्रदेश के अनूपपुर स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय (IGNTU) के छात्रावास में असम के एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि कुछ युवक देर रात हॉस्टल के कमरे में घुसे और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद छात्र डरा हुआ है और उसने जान का खतरा बताते हुए परीक्षा नहीं दे पाने की बात कही है। घटना 13 जनवरी की अलसुबह करीब 4 बजे जीजीबीएच हॉस्टल की है। पीड़ित छात्र हीरोस ज्योतिदास असम का रहने वाला है और IGNTU में इकोनॉमिक्स विषय में एमए कर रहा है। छात्र के अनुसार, पांच से छह युवक उसके कमरे में घुसे, नाम और राज्य पूछा और इसके बाद मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने उसके चेहरे पर लात-घूंसे मारे, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई और आंख-कान में भी गंभीर चोटें आईं।

केरल के एसएआई हॉस्टल में 2 खिलाड़ियों के शव मिलेफंदे से लटके थे

एजेंसी, स्पोर्ट्स डेस्क

♦ **दोनों लड़कियों की उम्र 15-17 साल, सुसाइड नोट नहीं मिला**

केरल के कोल्लम स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) हॉस्टल में गुरुवार को दो नाबालिग स्पोर्ट्स ट्रेनी के शव कमरे में फंदे से लटके मिले। पुलिस के मुताबिक, दोनों छात्राएं स्पोर्ट्स कोचिंग ले रहीं थी और हॉस्टल में ही रह रही थीं। मृत लड़कियों की पहचान कोझिकोड जिले की सैंड्रा (17) और तिरुवनंतपुरम जिले की वैष्णवी (15) के रूप में हुई है। सैंड्रा एथलेटिक्स की ट्रेनी थी और 12वीं में पढ़ रही थी, जबकि वैष्णवी कबड्डी खिलाड़ी थी और क्लास 10वीं की छात्रा थी। घटना से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनों के शव एक ही कमरे में लटके मिले घटना गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सामने आई, जब हॉस्टल के बाकी साथी ट्रेनी स्पोर्ट्स प्लेयर्स ने देखा कि दोनों लड़कियां सुबह की ट्रेनिंग सेशन में नहीं आईं। दरवाजा बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो हॉस्टल अधिकारी दरवाजा तोड़कर अंदर गए। वहां दोनों लड़कियां पंखों से लटकी मिलीं। पुलिस के अनुसार वैष्णवी अलग कमरे में रहती थी, लेकिन बुधवार रात वह सैंड्रा के कमरे में सोने आई थी। हॉस्टल की अन्य लड़कियों ने सुबह दोनों को देखा भी था। मौत का कारण अभी पता नहीं- पुलिस कोल्लम ईस्ट पुलिस अब जांच में जुटी है। अधिकारियों ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाली अन्य खेल छात्राओं, उनके ट्रेनर्स और दोनों लड़कियों के परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद शव परिजन को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण अभी पता नहीं चला है। यह सुसाइड है या कोई दूसरी वजह, यह जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। 11 साल पहले भी 4 विमेंस एथलीट ने सुसाइड की कोशिश की थी केरल के साई सेंटर में इससे पहले भी ऐसा मामला सामने आ चुका है। करीब 11 साल पहले अलापुझा स्थित साई सेंटर में वॉटर स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग ले रहीं चार महिला एथलीट्स ने जहरीला फल खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। इन एथलीट्स ने अपने सीनियर्स और हॉस्टल वॉर्डन पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इस घटना में अपर्णा नाम की एक एथलीट की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिस पर सभी एथलीट्स के हस्ताक्षर थे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, राजकोट

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों

बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

डीसी की पहली जीत के बाद बोलीं लॉरा वोल्वार्ड्ट- जेमी को टीम से सर्वश्रेष्ठ निकालना आता है

एजेंसी, मुंबई

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने अभियान की पहली जीत दर्ज कर ली है। बुधवार को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर सीजन के पहले अंक हासिल किए। 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अहम योगदान रहा। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा और लिज़ेल ली ने मजबूत शुरुआत दी। शैफाली ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, जिसमें छह चौके शामिल रहे, जबकि लिज़ेल ली ने पारी को संभालते हुए 44 गेंदों में 67 रन

की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और तीन छक्के शामिल थे। मध्य ओवरों में कुछ विकेट गिरने के बाद मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन लॉरा वोल्वार्ड्ट (नाबाद 25 रन, 24 गेंद) और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (21 रन, 14 गेंद) ने संयम दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट पर 154 रन पर रोक दिया। मारिज़ान कप ने 2 विकेट 24 रन देकर लिए, जबकि शैफाली वर्मा ने 2 विकेट 16 रन देकर बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया।

मैच के बाद लॉरा वोल्वार्ड्ट ने आखिरी ओवरों के तनावपूर्ण क्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,- "बहुत राहत महसूस हो रही है। तनाव जरूर था क्योंकि स्थिति पिछले मैच जैसी ही थी। एक समय फिर से मैं और जेमी बल्लेबाजी कर रहे थे, तो कुछ पुरानी यादें ताजा हो गईं, लेकिन इस बार हम मैच खत्म करने में सफल रहे।" पिच की परिस्थितियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा,"यह विकेट काफी धीमी थी और गेंद रुककर आ रही थी, साथ ही टर्न भी ज्यादा था। पिछली पिच पर टर्न नहीं था और गेंद अच्छी तरह आ रही थी, इसलिए यह बिल्कुल अलग चुनौती थी। शायद हमें पहले थोड़ा और जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, लेकिन अंत में हम लक्ष्य हासिल करने में सफल रहे।" लिज़ेल ली की तारीफ करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा,"वह शानदार रही हैं। मुझे उनके लिए बहुत खुशी है। वह ऑस्ट्रेलिया की फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए भी हमारी ओपनिंग साझेदारी अच्छी रही है, इसलिए उनके साथ फिर से बल्लेबाजी करना शानदार अनुभव है।" कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व की सराहना करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा,"जेमी बेहतरीन रही हैं। वह लोगों से जुड़ना जानती हैं और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकालने की कला उन्हें अच्छी तरह आती है। नए कप्तान के रूप में उन पर काफी जिम्मेदारी है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत अच्छे से संभाला है और टीम के लिए प्रेरणास्रोत बनी हैं।" दिल्ली कैपिटल्स अब अपने अगले मुकाबले में शनिवार, 17 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी और इस जीत की लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

एजेंसी, मुम्बई

तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने कोरण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा ,

हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीमः मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबायः मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने अपनी टीम का बचाव किया

एजेंसी, नवी मुंबई

गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने माना है कि मुम्बई के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल मुकाबले में मिली हार के बाद भी उनकी टीम का हौंसला कम नहीं हुआ है और वह आगे के मुकाबलों के लिए तैयार है। क्लिंगर ने स्वीकार किया कि पिछले मैच में खराब फील्डिंग से भी उनकी टीम को टीम को नुकसान हुआ था। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में मुम्बई के खिलाफ मुकाबले के साथ ही पहली हार का सामना करना पड़ा हैं। टीम ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत के तीन बार कैच छोड़ जो उसे भारी पड़े। हरमनप्रीत ने इस मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया। क्लिंगर ने कहा कि टीम ने लगातार अच्छा खेला पर अंत में हालात बिगड़ गये। क्लिंगर ने मैच के बाद कहा, हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की पर आखिरी पांच-छह

ओवरों में काफी कैच गिरे। उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसी गलतियां महंगी होती हैं पर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। उन्होंने कहा, जब आप हरमनप्रीत जैसी अच्छी खिलाड़ी को तीन मौके देते हैं तो जीतना कठिन होता है पर हमारे प्रयास और ट्रेनिंग पर सवाल नहीं उठाये जा सकते। हमारी फील्डिंग कोच सारा टेलर और बाकी सभी कोचों के साथ खिलाड़ी काफी मेहनत कर रहे हैं।क्लिंगर ने कहा, प्रयास करने में कोई परेशानी नहीं है। जब आप अच्छे खिलाड़ियों को ड्रॉप करते हैं, कैच छोड़ते हैं, तो यह मुश्किल होता है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करते रहेंगे।

कॉनर गैलाघर टोटेनहम हॉटस्पर में शामिल, एटलेटिको मैड्रिड से किया ट्रांसफर

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के मिडफील्डर कॉनर गैलाघर ने आधिकारिक तौर पर प्रीमियर लीग क्लब टोटेनहम हॉटस्पर का दामन थाम लिया है। टोटेनहम ने ला लीगा क्लब एटलेटिको मैड्रिड से 25 वर्षीय गैलाघर के साइनिंग की घोषणा की। वह थॉमस फ्रैंक की टीम से लंबी अवधि के करार पर जुड़े हैं, हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय मंजूरी के अधीन है। क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में गैलाघर ने कहा,"मैं टोटेनहम का खिलाड़ी बनना चाहता था और सौभाग्य से क्लब की भी यही भावना थी। सब कुछ बहुत जल्दी और आसानी से हो गया। अब मैं मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।" उन्होंने आगे कहा,"मैं जानता हूं कि यहां के प्रशंसक कितने शानदार हैं। इस क्लब का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है और मैं सभी के साथ मिलकर खास लम्हे और यादें बनाना चाहता हूं।" कॉनर गैलाघर ने अपने करियर की शुरुआत चेल्सी की अकादमी से की थी और बाद में वह क्लब की पहली टीम के अहम सदस्य बने। उन्होंने चेल्सी की कप्तानी भी की। गैलाघर ने चेल्सी और क्रिस्टल पैलेस के लिए कुल 177 प्रीमियर लीग मैच खेले हैं। इसके अलावा वह चार्लटन एथलेटिक, स्वानसी सिटी और वेस्ट ब्रॉमविच एल्बियन के लिए लोन पर भी खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में गैलाघर ने डिएगो सिमियोने की कोचिंग में एटलेटिको

मैड्रिड जॉइन किया था, जहां उन्होंने 77 मुकाबलों में हिस्सा लिया। रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में 27 सेकंड में किया गया उनका गोल ऐतिहासिक रहा। वह मैड्रिड डर्बी में गोल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने और यह यूईएफए चैंपियंस लीग में किसी इंग्लिश खिलाड़ी का सबसे तेज गोल भी था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैलाघर अब तक इंग्लैंड के लिए 22 मैच खेल चुके हैं। वह 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप की इंग्लैंड टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। टोटेनहम में गैलाघर के आगमन से मिडफील्ड को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है और क्लब के प्रशंसक उनसे बड़े योगदान की आस लगाए बैठे हैं।

संक्षिप्त

टी20 विश्वकप के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों से संपर्क किया

जमैकाः पिछले कुछ समय में वेस्टइडीज की टीम का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में भी लगातार नीचे आया है। जिसको देखते हुए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अब एक बार फिर अनुभवी खिलाड़िकों को टी20 विश्वकप के लिए टीम से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। टी20 विश्वकप अगले माह भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने के तहत ही बोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन से संपर्क कर संन्यास से वापसी की अपील की है हालांकि पूरन ने इंकार कर दिया। क्रिकेट निदेशक माइल्स बासकॉम्ब ने कहा कि पूरन अपने फैसले से संतुष्ट हैं और उन्होंने हाल ही में भी यही संकेत दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी नहीं करना चाहते। पूरन टी20 फॉर्मेट में वेस्टइंडीज के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और अनुभव टीम के लिए अहम हथियार था। ऐसे में विश्व कप से पहले उनका टीम से बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। बोर्ड ने पूरन के अलावा ड्वेन ब्रावो, कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ियों से भी संपर्क किया है। हालांकि इनको टीम प्रबंधन से जुड़ने को कहा था। बासकॉम्ब के अनुसार, टी20 विव कप के तुरंत बाद आईपीएल शुरू हो जाता है, ऐसे में टीम प्रबंधन का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ियों को लंबे समय तक घर से दूर रहना पड़ेगा। यही वजह है कि कई खिलाड़ी इस भूमिका के लिए तैयार नहीं हैं। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी अंतिम टीम घोषित नहीं की है।

लेडेकी ने प्रो स्विम सीरीज़ में रचा इतिहास, 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में दूसरा सबसे तेज़ समय

एजेंसी, लॉस एंजेलिस

नौ बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिका की केटी लेडेकी ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में इतिहास का दूसरा सबसे तेज़ समय दर्ज किया। उन्होंने टेक्सास के ऑस्टिन में आयोजित यूएस प्रो स्विम सीरीज़ में 15 मिनट 23.21 सेकंड का समय निकालकर शानदार जीत हासिल की। लेडेकी इस रेस में पूरी तरह हावी रहीं और 16 वर्षीय ब्रिंकलि हैनसन से एक मिनट से भी अधिक के अंतर से जीत दर्ज की। हैनसन ने 16:31.31 के समय के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि बेका मैन 16:35.09 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। हालांकि लेडेकी अपने 2018 में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड (15:20.48) को नहीं तोड़ सकीं, लेकिन उन्होंने अपने ही पिछले दूसरे सर्वश्रेष्ठ समय 15:24.51 में सुधार किया, जो उन्होंने पिछले

साल फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में प्रो स्विम सीरीज़ के दौरान बनाया था। इसके बाद लेडेकी ने सिंगापुर में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में इस स्पर्धा में अपना छठा विश्व खिताब भी जीता। 1500 मीटर फ्रीस्टाइल को महिलाओं के लिए ओलंपिक स्पर्धा बनाए जाने के बाद से लेडेकी ने टोक्यो 2021 और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीते हैं। 28 वर्षीय लेडेकी, जिन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में 800 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण जीता था, 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक को देखते हुए भी शानदार फॉर्म में नजर आ रही हैं। लेडेकी अब तक 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 15:30 से कम का समय 10 बार निकालने वाली एकमात्र महिला हैं। उनके नाम इस स्पर्धा के अब तक के शीर्ष 12 समय और शीर्ष 25 में से 24 समय दर्ज हैं। इटली की सिमोना क्वाडरेला का 15:31.79 का समय, जो उन्होंने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में लेडेकी के बाद दूसरा स्थान पाते हुए बनाया था, अब इतिहास का 13वां सबसे तेज़ समय है। पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में विश्व रिकॉर्ड धारक और लेडेकी के प्रशिक्षण साथी बॉबी फिंके ने 15:01.70 के समय के साथ जीत दर्ज की। आयरलैंड के 800 मीटर ओलंपिक चैंपियन डेनियल विफेन 15:04.98 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अन्य स्पर्धाओं में, कनाडा की ओलंपिक स्टार समर मैकइंटोश और फ्रांस के लियोन मार्शां ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले के फाइनल में जगह बनाई। मैकइंटोश ने सेमीफाइनल में 2:09.27 का समय निकालकर शीर्ष स्थान पाया। वहीं मार्शां ने पुरुष वर्ग में 2:00.10 के साथ सेमीफाइनल में सबसे तेज़ समय दर्ज किया।

एएफकॉन 2025: सालाह पर भारी पड़े माने, सेनेगल ने मिस्र को हराकर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी, टैंजियर्स

सादियो माने के 78वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सेनेगल ने बुधवार को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफकॉन) 2025 के सेमीफाइनल में मिस्र को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही माने ने अपने पूर्व लिवरपूल साथी और मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह पर अहम मुकाबले में बढ़त हासिल की। मैच के बाद 33 वर्षीय माने ने खुलासा किया कि यह उनका आखिरी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, "मैं बेहद खुश हूं कि मुझे अपने आखिरी एएफकॉन में खेलने का मौका मिला। मेरी कोशिश होगी कि फाइनल जीतकर ट्रॉफी डकार लेकर जाएं।" पूर्व चैंपियन सेनेगल ने सतर्क रुख अपनाने वाली मिस्र टीम के खिलाफ मैच में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बनाए रखा। अब सेनेगल रविवार को होने वाले फाइनल में मेज़बान मोरक्को से भिड़ेगा। इस नतीजे के साथ ही सेनेगल ने मिस्र के खिलाफ अपनी बढ़त बरकरार रखी। 'तेरांगा लायंस' ने 2022 के एएफकॉन फाइनल और 2022 फीफा वर्ल्ड कप प्ले-ऑफ में भी मिस्र को हराया था। दोनों मुकाबलों का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ था। यह सेनेगल की एएफकॉन फाइनल में

चौथी उपस्थिति होगी। इससे पहले उसे 2002 में कैमरून और 2019 में अल्जीरिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2021 (2022 में आयोजित) संस्करण में उसने मिस्र को हराकर खिताब जीता था। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह को सेनेगल की मजबूत डिफेंस ने पूरे मैच में प्रभावी ढंग से रोके रखा। यह सलाह का पांचवां एएफकॉन था और अब तक वह दो बार उपविजेता रहकर ही खिताब के सबसे करीब पहुंचे हैं। माने ने कहा,"शुरुआत से ही हमने टीम के रूप में खेला। हमने व्यक्तिगत गलतियों और गैर-जरूरी फाउल से बचने की कोशिश की। पूरे मैच में हमने खेल को अच्छी तरह संभाला और कुल मिलाकर जीत के हकदार थे।" उन्होंने आगे कहा,"मेरे लिए सबसे अहम बात यह है कि सेनेगल हर बार जीते। मैं देश का सिपाही हूं और ट्रेनिंग हो या मैच, हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिता है, क्योंकि यहां सभी टीमें लगभग बराबर स्तर की होती हैं।"

गरमाया माहौल, फिर लौटी शांति- मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कई बार तनातनी भी देखने को मिली। सेनेगल के अनुभवी डिफेंडर कालिदू कूलिबाली को 17वें मिनट में मिस्र के स्ट्राइकर ओमर मार्मूश पर फाउल करने के लिए पीला कार्ड मिला। यह उनका लगातार दूसरे मैच में दूसरा येलो कार्ड था, जिसके चलते वह रबात में होने वाले फाइनल में नहीं खेल पाएंगे। हालांकि इससे भी बुरी खबर यह रही कि छह मिनट बाद कूलिबाली चोटिल हो गए और उन्हें मामादू सार से बदलना पड़ा। पहले हाफ में सेनेगल ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन मिस्र के 37 वर्षीय गोलकीपर मोहम्मद एल-शेनावी को गंभीर चुनौती नहीं दे सका। हाफ टाइम से ठीक पहले दोनों टीमों के कोच और बेंच के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस और हल्की धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद रेफरी के हस्तक्षेप से हालात सामान्य हुए। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। मिस्र ने रक्षात्मक रणनीति अपनाए रखी और सेनेगल को गेंद पर नियंत्रण करने दिया। लेकिन आखिरकार 78वें मिनट में सेनेगल के दबाव का फल मिला।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 पुरुष ड्रॉः सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं सिनर–जोकोविच और अल्कराज–ज्वेरेव

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के पुरुष वर्ग का ड्रॉ गुरुवार को मेलबर्न में आयोजित ड्रॉ समारोह के दौरान जारी किया गया। दो बार के मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कराज ने अपने अभियान की शुरुआत अपेक्षाकृत आसान मुकाबलों से की है, हालांकि ड्रॉ के अनुसार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सिनर बनाम नोवाक जोकोविच और अल्कराज बनाम अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन सिनर पहले दौर में फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन से भिड़ेंगे, जबकि शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कराज का सामना ऑस्ट्रेलिया के स्थानीय खिलाड़ी एडम वॉल्टन से होगा। ड्रॉ समारोह के बाद सिनर ने कहा,"ड्रॉ बहुत मुश्किल है, इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किससे खेल रहे हैं। हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और यह सफर बहुत लंबा है।" 38 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड

25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेंगे। अपने करियर में 21वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खेल रहे जोकोविच पहले दौर में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज (वर्ल्ड नंबर 71) से मुकाबला करेंगे। जोकोविच की पहली बड़ी परीक्षा चौथे दौर में 16वीं वरीयता प्राप्त याकुब मेंसिक के खिलाफ हो सकती है, जिन्होंने पिछले साल मियामी ओपन के फाइनल में जोकोविच को हराया था। क्वार्टरफाइनल में उनका सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी या नौवीं वरीय टेलर फ्रिट्ज से हो सकता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का आयोजन 18 जनवरी से 1 फरवरी तक किया जाएगा।

पहले दौर के प्रमुख मुकाबलेः

- [10] अलेक्जेंडर बब्लिक (कजाखस्तान) बनाम जेंसन ब्रूक्सबी (अमेरिका)
- [6] एलेक्स डी मिनॉर (ऑस्ट्रेलिया) बनाम माटेओ बेरेटिनी (इटली)
- [3] अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी) बनाम गैब्रियल डियालो (कनाडा)
- ग्रिगोर दिमित्रोव (बुल्गारिया) बनाम टोमस माखाच (चेक गणराज्य)
- [WC] स्टैन वावरिंका (स्विट्ज़रलैंड) बनाम लास्लो जेर (सर्बिया)
- [16] याकुब मेंसिक (चेक गणराज्य) बनाम पाब्लो कारेना बुस्ता (स्पेन)
- हुबर्ट हुरकाज़ (पोलैंड) बनाम ज़िज़ोउ बर्ग्स (बेल्जियम)
- [8] बेन शेल्टन (अमेरिका) बनाम उगो हम्बर्ट (फ्रांस)
- [12] कास्पर रूड (नॉर्वे) बनाम माटिया बेलुची (इटली)
- [15] करेन खाचानोव बनाम एलेक्स मिशेलसन (अमेरिका)

बीसीबी ने निदेशक को दिया नोटिस, खिलाड़ियों के बहिष्कार से नहीं हो सका बीपीएल का पहला मैच

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बुधवार को अपने निदेशक एम. नजमुल इस्लाम को सार्वजनिक रूप से खिलाड़ियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बीसीबी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित बोर्ड सदस्य के खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बीसीबी के आधिकारिक बयान में कहा गया कि बोर्ड ने संबंधित निदेशक के खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और 48 घंटे के भीतर लिखित जवाब देने को कहा गया है। मामले का निपटारा तय प्रक्रिया के तहत किया जाएगा और जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडबल्यूएबी) अपने रुख पर अड़ी हुई है और उसने नजमुल इस्लाम के इस्तीफे तक सभी तरह के क्रिकेट के बहिष्कार का आह्वान किया है।

बीपीएल पर पड़ा असर, मैच टला- ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के पहले मुकाबले में खेलने

वाली चट्टोग्राम रॉयल्स और नोआखाली एक्सप्रेस की टीमें मैच शुरू होने तक मैदान पर नहीं पहुंचीं, जिसके चलते मुकाबला अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया। इतना ही नहीं, गुरुवार को ढाका क्रिकेट लीग के चार प्रथम श्रेणी मुकाबले भी नहीं हो सके। सीडबल्यूएबी के नेताओं ने जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की भी घोषणा की है।

विवाद की पृष्ठभूमि- यह विवाद तब शुरू हुआ जब नजमुल इस्लाम ने अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत दौरे से इनकार को दोहराते हुए खिलाड़ियों के पारिश्रमिक से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा था कि यदि बांग्लादेश टूर्नामेंट से हटता है तो खिलाड़ियों को किसी तरह का मुआवजा नहीं दिया जाएगा, क्योंकि उन्होंने अब तक समर्थन को सही साबित नहीं किया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

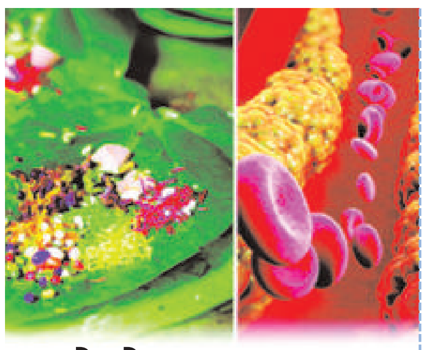

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय हैं पान के पत्ते

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। रक्त वाहिकाओं में जमने वाला यह गंदा पदार्थ दिल के रोगों का सबसे बड़ा कारण है। ध्यान रहे कि दिल के रोगों की वजह से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मौत होती हैं। इसका मतलब यह है कि इस गंदे जहरीले पदार्थ से छुटकारा पाकर आप दिल के रोगों, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और खून की नसों से जुड़े रोगों का जोखिम कम कर सकते हैं।

खून की नसों में चिपका यह गंदा पदार्थ हार्ट अटैक की वजह बन सकता है इसलिए इसे खत्म करना जरूरी है, पान के पत्ते कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय हैं, बस आपको इन्हें खाने का सही तरीका पता होना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल क्या है और इसके क्या लक्षण हैं?

यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो आपके द्वारा खाए जाने वाले फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से निकलता है। बेशक आपका लिवर भी इसे बनाता है लेकिन इसकी अधिक मात्रा सेहत के लिए घातक है। यह दो तरह का होता है गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर के लिए जो घातक है, वो बैड कोलेस्ट्रॉल है। समस्या यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के शुरूआती कोई संकेत नहीं होते हैं, जब तक पता चलता है कि तब नसें ब्लॉक हो चुकी होती हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या है?

इस गंदे पदार्थो को जमने या खत्म करने का आसान तरीका नियमित रूप से एक्सरसाइज करना और फैट से भरपूर चीजों से तौबा करना है। कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को इसे कंट्रोल में रखने के लिए ताउम्र दवाएं भी खानी पड़ती हैं। अगर आप दवाओं से बचना चाहते हैं, तो आपको कोलेस्ट्रॉल कम करने के घरेलू उपाय के रूप में पाने के पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इससे बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है.

कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन हैं पान के पत्ते

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सबसे बेस्ट तरीका वैसे तो एक्सरसाइज करना और हेल्दी डाइट लेना है लेकिन आप इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने का एक सबसे सरल और सस्ता उपाय पान के पत्ते हैं। एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने माना है कि इन हरे पत्तों में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पाने के पत्तों में विषाक्त पदार्थों को कम करने की क्षमता होती है। पाने के पत्ते एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में काम कर कर सकते हैं। अपने अध्ययन में उन्होंने पान के पत्तों की एंटी-ऑक्सीडेंट एक्टिविटी का मूल्यांकन किया। उन्होंने यह पता लगाने की कोशिश की क्या यह गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकता है या नहीं।

पान के पत्ते कम कर सकते हैं गंदा कोलेस्ट्रॉल

अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि पान के पत्ते इन विट्रो में स्ष्ठरुकोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकने में सक्षम थे और मैक्रोफेज में लिपिड संचय को कम करने में सक्षम थे।

पान के पत्ते कैसे कम करते हैं कोलेस्ट्रॉल

पान के पत्तों में यूजेनॉल पाया जाता है जोकि एक नैचुरल एंटीऑक्सिडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करता है। यूजेनॉल लिवर में कोलेस्ट्रॉल को बनने से रोकता है और आंत में लिपिड अवशोषण को कम करता है।

कैसे करें पान के पत्तों का सेवन

अधिकतर लोग पान खाने को एक गलत आदत मानते हैं। इसे स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाता है। वास्तव में इसे खाने का तरीका गलत है, जो सेहत के लिए खतरनाक है क्योंकि अधिकतर लोग पान में तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थ डालकर खाते हैं। दरअसल पान के हरे पत्ते सेहत के लिए ठीक हैं। इन हरे पत्तों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन का सबसे बेहतर तरीका सिर्फ हरे पत्तों का चबाना या इनका रस पीना है, जैसे कि शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में इस्तेमाल किया।

पान के पत्ते के पोषक तत्व या गुण

पान के पत्तों में सिर्फ एंटीऑक्सिडेंट गुण नहीं पाए जाते बल्कि यह शरीर के लिए जरूरी कई जरूरी पोषक तत्वों का भी खजाना है। यह आयोडीन, पोटैशियम, विटामिन ए, विटामिन बी-1, निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, कैल्शियम, फाइबर और मिनरल्स आदि का बढ़िया स्रोत है।

पान के पत्तों के अन्य स्वास्थ्य लाभ

कोलेस्ट्रॉल कम करने के अलावा पान के पत्तों में ब्लड शुगर कम करने, कैंसर का जोखिम कम करने, घाव को जल्दी ठीक करने, तनाव दूर करने, अस्थमा का इलाज करने, ओरल हेल्थ को बढ़ावा देने, पाचन समस्याओं को खत्म करने की भी क्षमता होती है।

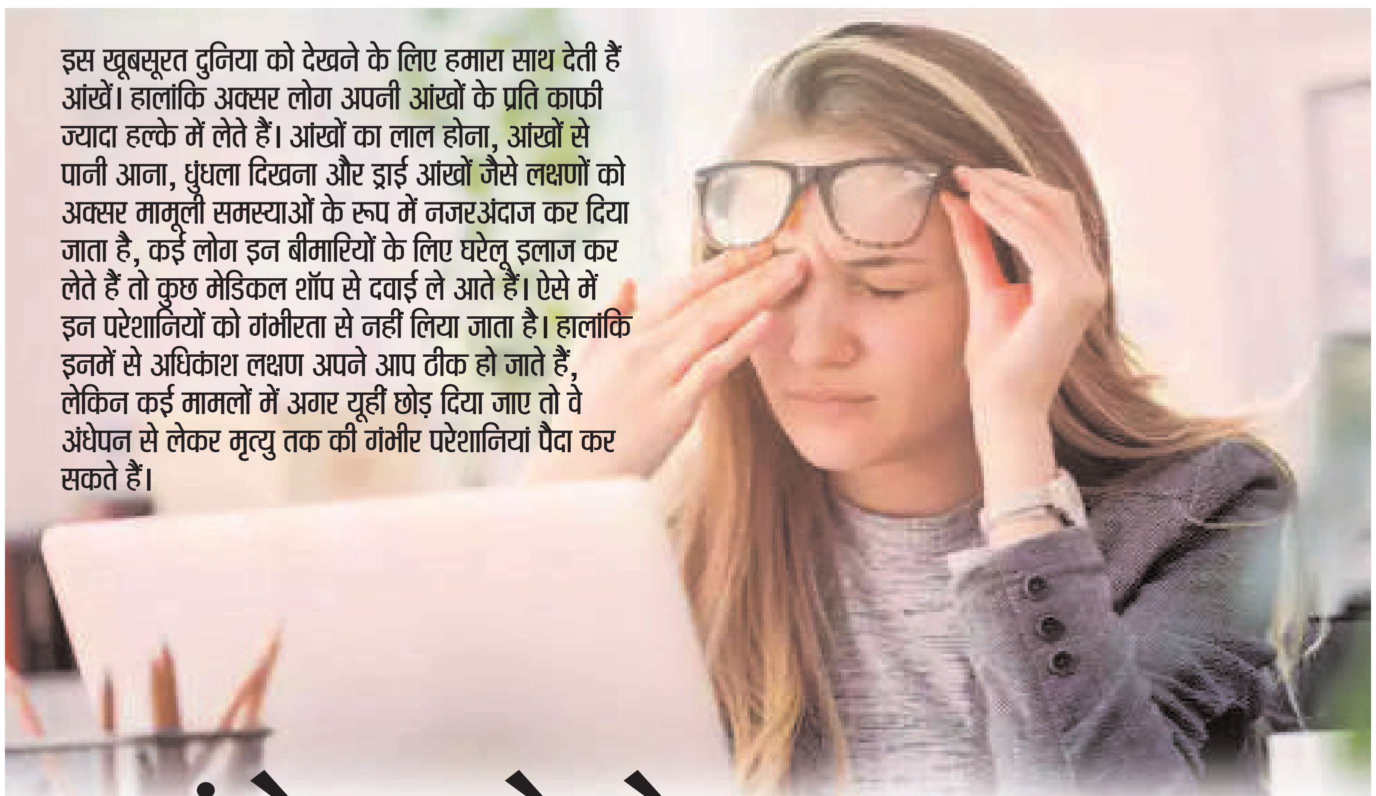

इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए हमारा साथ देती हैं आंखें। हालांकि अक्सर लोग अपनी आंखों के प्रति काफी ज्यादा हल्के में लेते हैं। आंखों का लाल होना, आंखों से पानी आना, धुंधला दिखना और ड्राई आंखों जैसे लक्षणों को अक्सर मामूली समस्याओं के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, कई लोग इन बीमारियों के लिए घरेलू इलाज कर लेते हैं तो कुछ मेडिकल शॉप से दवाई ले आते हैं। ऐसे में इन परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकांश लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कई मामलों में अगर यूहीं छोड़ दिया जाए तो वे अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकते हैं।

अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकती हैं आंखों की समस्याएं

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट की मानें तो अधिकांश ओकुलर संक्रमण मामूली होते हैं, वहीं दूसरे काफी जटिल होते हैं। अधिकांश मरीज या तो ओकुलर डिस्चार्ज, विजुअल लक्षण, लाल या दर्दनाक आंख के साथ होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रोग और संक्रमण पहले आंख के लक्षण के रूप में हो सकते हैं क्योंकि आंखें शरीर का एकमात्र अंग है जहां न्यूरॉन्स और रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और इसलिए किसी भी बीमारी का पहला लक्षण आंखों में नजर आता है।

राइनो ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस

आम भाषा में इसे ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है, यह म्यूकोरेल्स के कारण होने वाला एक असामान्य संक्रमण है और इसकी हाई मोर्बिडिटी और मोरटेलिटी रेट। यह मुख्य रूप से डायबिटीज, कैंसर, पोस्ट ऑर्गन ट्रांस्प्लांट के बाद क्रोनिक स्टेरॉयड थेरेपी वाले रोगियों में होता है और हाल ही में इसे गंभीर कोविड संक्रमण वाले पेशेंट में भी देखा गया था। फंगस नाक के जरिए से एंटर करने वाली ब्लड वेसेल्स पर आक्रमण करता है और साइनस और नेसल कैविटी में फैल जाता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये दिमाग तक पहुंच जाता है, जो दिमाग के लिए घातक हो सकता है।

एस्परगिलोसिस

म्यूकोर्मिकोसिस के समान, ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में होता है और नाक के बाद में दिमाग तक पहुंचता है।

कंजंक्टिवाइटिस (गुलाबी आंख)

कंजक्टिवा टिश्यू की एक पतली परत होती है जो आंखों के सफेद हिस्से और पलकों के अंदरूनी हिस्से को ढकती है। कंजक्टिवाइटिस को कंजंक्टिवा के संक्रमण या सूजन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसके लक्षण खुजली और पानी बहना है।

ब्लेफेराइटिस

यह पलकों की सूजन है, और बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, पलकों में तेल ग्रंथियों के बंद होने और स्किन की कुछ स्थितियों के कारण देखा जाता है। किसी को लाल और पलकों की सूजन, जलन और पानी बहता है। आंखों के चारों ओर परतदार स्किन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ब्लेफेराइटिस से अंधापन नहीं होगा, लेकिन यह कई अन्य परेशानियों को पैदा कर सकता है जैसे कि पलकें गिर सकती हैं।

यूवाइटिस

यह यूविया आईरिस युक्त नेत्रगोलक की मध्य परत की सूजन है। यह सोरायसिस, दाद संक्रमण, या रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियों से जुड़ा है। किसी को धुंधली दिखने, आंखों की लाली और फ्लोटर्स जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

केराटाइटिस

इसे कॉर्निया की सूजन या संक्रमण के रूप में जाना जाता है। लेंस का दुरुपयोग संक्रमण का कारण हो सकता है। लंबे समय तक लेंस पहनने, उनकी सफाई न करने से कॉर्निया में कीटाणुओं के आने का खतरा बढ़ सकता है। इसका तुरंत इलाज न करने से कॉर्निया पर निशान पड़ सकते हैं और नजरें खराब हो सकती हैं।

दूध में तुलसी की पत्तियां डालकर पिएं

दूध पोषण के लिहाज से अमृत के समान है और तुलसी को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कई रोगों से आपकी रक्षा करती है। इन दोनों का मिश्रण कर लिया जाएं, तो पोषण के साथ-साथ सेहत और उससे जुड़े कई फायदे पाए जा सकते हैं। अब जब भी आप दूध पिएं, उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और पाएं यह फायदे -

- दमा के मरीजों के लिए यह उपाय फायदेमंद है। खास तौर से मौसम में बदलाव होने पर होने वाली सांस संबंधी समस्याओं से बचने के लिए दूध और तुलसी का यह मिश्रण बेहद लाभकारी होता है।
- सिर में दर्द या माइग्रेन की समस्या होने पर यह उपाय आपको रोहत देगा। जब भी माइग्रेन का दर्द हो आप इसे पी सकते हैं, रोजाना इसका सेवन करने से आपकी समस्या भी खत्म हो सकती है।
- तनाव अगर आपके जीवन का भी अभिन्न अंग बन गया है, तो दूध में तुलसी के पत्तों को उबालकर पिएं, आपका तनाव दूर होगा और धीरे-धीरे तनाव की समस्या ही समाप्त हो जाएगी।
- हृदय की समस्याओं में भी यह लाभदायक है। सुबह खाली पेट इस दूध को पीने से हृदय संबंधी रोगों में लाभ पाया जा सकता है। इसके अलावा यह किडनी में होने वाली पथरी के लिए भी अच्छा उपचार है।
- तुलसी में कैंसर कोशिकाओं से लड़ने का गुण होता है, अतः इसका सेवन आपको कैंसर से बचा सकता है। इसके अलावा सर्दी के कारण होने वाली सेहत समस्याओं में भी यह कारगर उपाय साबित होगा।

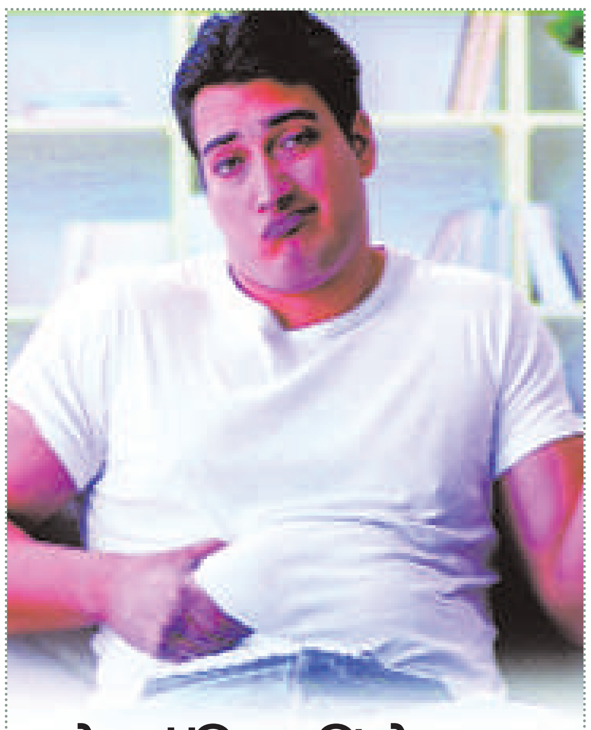

मेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ा सकता है ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा

पतियों का शौक पत्नियों को बीमार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज की एक स्टडी के मुताबिक सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिसीज) ग्रस्त महिलाओं में से 55 प्रतिशत को यह बीमारी उनके चेन स्मोकर पतियों की वजह से हुई। लगातार धुएं से वह पैसिव स्मोकर बन गईं और खतरनाक सीओपीडी ने उन्हें चपेट में ले लिया। इनमें से ज्यादातर में मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी पाया गया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग की टीम ने यह स्टडी की, जिसमें सीओपीडी के 170 मरीजों को शामिल किया गया। दो साल तक लगातार इन मरीजों पर स्टडी हुई। परिणाम ने यह भ्रम तोड़ दिया है कि धूम्रपान न करने वाले सीओपीडी से बच सकते हैं। स्टडी में 46 फीसदी मरीज नॉन स्मोकर मिले। इनकी उम्र 35 से 87 साल के बीच थी। स्टडी में शामिल नॉन स्मोकर महिलाओं में 55 फीसदी के पति या घर का कोई पुरुष सदस्य चेन स्मोकर निकला। बाकी महिलाएं लंबे समय से बायोमास फ्यूल का इस्तेमाल कर रही थीं।

सिगरेट छोड़ने के बरसों बाद बीमारी

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

हर मरीज में मिला मेटाबॉलिक सिंड्रोम

स्टडी में सीओपीडी के हर मरीज में मेटाबॉलिक सिंड्रोम मिला। स्टेज वन में कम तो स्टेज टू और थ्री में ज्यादा मरीज मिले। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्टेज फोर में सबसे कम मरीज थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई बीमारी नहीं बल्कि स्थिति है। इसमें शरीर में रोग के कारक बढ़ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अनियंत्रित कोलेस्ट्रॉल इन चारों के संयुक्त रूप को मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की कंडीशन होने पर हाई बीपी की समस्या, हाई शुगर, और कमर पर एक्सट्रा फैट जम जाता है। इसके साथ ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने पर कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य तरीके से बढ़ जाता है। सिंड्रोम के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने से आप इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं।

स्टडी के चीफ गाइड प्रो. सुधीर चौधरी के मुताबिक बीपी, शुगर, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल का असंतुलित होना सिंड्रोम है, जो कई बड़े रोगों की वजह बनता है। हार्ट, किडनी और ब्रेन की बीमारियां हो सकती हैं। किसी भी संक्रमण के लिए ऐसा शरीर आसान शिकार बनता है। मानक से असंतुलन होने पर मरीज को इस सिंड्रोम से ग्रस्त माना जाता है।

स्टडी ने यह साबित किया है कि सीओपीडी नॉन स्मोकर्स को भी हो सकती है। सिगरेट और उसके प्रदूषण के साथ बायोमास फ्यूल एक्सपोजर से सीओपीडी बीमारी मरीजों में मिली। घरेलू महिलाओं ने कभी धूम्रपान नहीं किया, फिर भी उन्हें यह बीमारी मिली ।

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

डिप्रेशन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करेंगी ये चीजें

डिप्रेशन या अवसाद एक मानसिक बीमारी है जिसे ज्यादातर लोग ठीक तरह से समझ नहीं पाते हैं। यदि कोई व्यक्ति अवसाद से ग्रस्त है तो उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? इस बात का ध्यान रखा जाना बेहद जरूर है। अवसाद के कारण और लक्षणों को ध्यान में रखते हुए आप अपने आहार में कुछ ऐसी चीजों को शामिल कर सकते हैं जो इससे बाहर निकलने में आपकी मदद करें।

कैमोमाइल

कई लोग कैमोमाइल चाय का सेवन करते हैं, क्योंकि इसमें सूजन-रोधी, बैक्टीरिया-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और आराम देने वाले गुण होते हैं। ऐसा माना जाता है कि कैमोमाइल में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स की वजह से ही इसमें अवसाद को कम करने की शक्ति होती है। कैमोमाइल चिंता के लक्षणों को कम कर सकता है।

दही

दही में लैक्टोबेसिलस और बिफिडोबैक्टीरिया नामक स्वस्थ बैक्टीरिया होते हैं। कई अध्ययनों में सामने आया है कि ये दोनों बैक्टीरिया मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। रोजाना दही का सेवन कर चिंता, अवसाद और स्ट्रेस को कम किया जा सकता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थायमिन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि मूड से जुड़े विकारों को ठीक करने की शक्ति रखता है। थायमिन में अवसाद-रोधी और दिमाग को आराम देने वाले गुण होते हैं एवं यह सेरोटोनिन और डोपामाइन के उत्पादन में भी वृद्धि करता है। अवसाद से निपटने के लिए आप बड़ी आसानी से अपनी जीवनशैली में ग्रीन टी को शामिल कर सकते हैं।

एवोकैडो

मूड को बेहतर करने वाले सेरोटोनिन को एवोकैडो से भी बढ़ाया जा सकता है। इसमें विटामिन-बी के अलावा थायमिन, राइबोफ्लेविन और नियासिन होता है जो कि तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन विटामिनों की कमी की वजह से कुछ लोगों में चिंता यानी एंग्जयाटी के मामले सामने आए हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज पोटाशियम का उत्तम स्रोत होते हैं जो कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट को संतुलित रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। कद्दू के बीज स्ट्रेस और चिंता के लक्षणों को कम करने की शक्ति रखते हैं। ड्रिपेशन के कारण और लक्षणों की पहचान करने के आप अपने आहार में कद्दू के बीज जरूर शामिल करें। इनमें मिनरल जिंक भी होता है जो कि मूड को अच्छा रखता है। स्वस्थ व्यक्ति भी कद्दू के बीजों का सेवन कर सकते हैं।

सूखे मेवे

काजू, ब्राजील नट और हेजल नट में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है। इसमें अखरोट का नाम सबसे ऊपर आता है। अखरोट मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का काम करता है, क्योंकि इसमें प्रचुरता से पौधों से प्राप्त ओमेगा-3 होता है। ये प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत है जिससे ब्लड शुगर के लेवल को संतुलित रखने में मदद मिलती है।

अंडे

अंडे की जर्दी विटामिन-डी का बेहतरीन स्रोत होती है। इसमें प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जिससे शरीर को सभी प्रकार के जरूरी अमीनो एसिड मिलते हैं। ये शरीर के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। अंडे में ट्रिप्टोफेन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि सेरोटोनिन बनाने में मदद करता है। सेरोटोनिन एक केमिकल न्यूरोट्रांस्मीटर है जो कि मूड, नींद, याद्दाशत और व्यवहार को नियंत्रित करने में सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि सेरोटोनिन मस्तिष्क के कार्य में सुधार लाने और चिंता से राहत दिलाने का भी काम करता है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो कि सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस (शरीर में फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स के बीच असंतुलन) को कम कर चिंता में कमी लाता है। मूड से जुड़े विकारों जैसे कि चिंता और डिप्रेशन में इन दोनों में अक्सर इजाफा आ जाता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

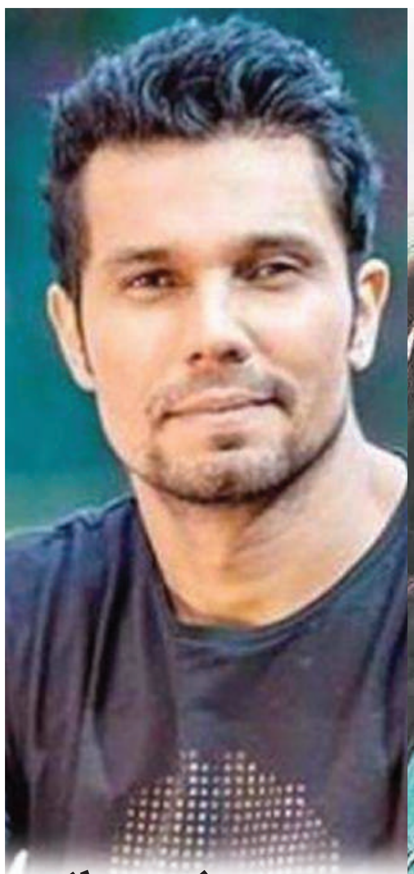

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है। उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं। बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं।

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया करियर फ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची हूं

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और लोका चैप्टर 1 के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं।

बातचीत में कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए।

लोका चैप्टर 1 एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है।

कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इच्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि लोका चैप्टर 2 की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

फिल्म ओह माय गॉड 3 में देवी का किरदार प्ले करेंगी रानी

लोकप्रिय फिल्म फ्रैंचाइज ओह माय गॉड का जल्द ही तीसरा पार्ट आने वाला है। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में रानी मुखर्जी की दमदार एंट्री हो रही है और इस बार वो अक्षय कुमार के साथ मिलकर कहानी में बड़ा धमाका करेंगी, लेकिन अब नया अपडेट सामने आया है। दरअसल, रानी के जुड़ते ही फिल्म की कहानी का पूरा रुख बदल गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक... रानी के आने के बाद फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। स्क्रिप्ट का फोकस अब रानी के किरदार पर ज्यादा होगा, जबकि फ्रैंचाइज की पिछली दोनों फिल्मों के हीरो रहे अक्षय कुमार की भूमिका को सिर्फ कैमियो तक सीमित कर दिया गया है यानी तीसरी किस्त में अक्षय बस मेहमान बनकर रह गए हैं।

हैप्पी पटेल की रिलीज से पहले इमरान खान को सता रही है इस बात की चिंता

इमरान खान लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी करने वाले हैं। इमरान कॉमेडियन वीर दास की पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। इसी फिल्म को लेकर आमिर खान के भांजे इमरान खान ने अपने एक डर से पर्दा उठाया है।

इमरान को किस बात का है डर?

इमरान खान भी इस फिल्म में एक छोटे लेकिन मजेदार कैमियो रोल में दिखेंगे। यह उनकी 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी के बाद लगभग 10 से 11 साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी है। इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका यह रोल स्न्हस्ल्ह (कुछ छूट जाने का डर) की वजह से हुआ। वीर दास ने भी हाल ही में बताया कि हैप्पी पटेल को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। यानी यह फिल्म सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह साल की शुरुआत में एक धमाकेदार हंसी-मजाक और मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, मिथिला पलकर, और शरिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। इमरान खान का कैमियो इसे और भी खास बना देगा।

बिग बॉस मराठी के छठे सीजन में दिखाई देंगे एक्टर श्रेयस तलपदे

कलर्स टीवी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हो चुका है। इसके बाद अब दर्शक बिग बॉस मराठी के छठे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन को रितेश देशमुख होस्ट करते नजर आएंगे। शो की स्ट्रीमिंग 11 जनवरी से शुरू होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही शो से जुड़ा एक दिलचस्प अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रेयस तलपदे इस बार बिग बॉस मराठी 6 का हिस्सा बन सकते हैं। खास बात यह है कि वह शो में मेहमान नहीं, बल्कि प्रतियोगी के रूप में घर में एंट्री कर सकते हैं। अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह उनका पहला बड़ा रियलिटी शो होगा।

होमबाउंड मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशनल सफर है

फिल्म होमबाउंड अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में इस श्रेणी तक पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म बन गई है। यह उपलब्धि एक बार फिर दिखाती है कि इंडियन कहानियों की भावनाएं और सच्चाई अब ग्लोबल मंचों पर लोगों तक पहुंच रही हैं।

इस बड़ी उपलब्धि के साथ अभिनेता विशाल जेठवा लॉस एंजेलिस पहुंच चुके हैं, जहां से फिल्म के इंटरनेशनल अवॉर्ड कैंपेन की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'नए साल की शुरुआत इससे ज्यादा खास और इमोशनल नहीं हो सकती थी। इस फिल्म के ऑस्कर जर्नी के लिए लॉस एंजेलिस आना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। सच कहूं तो मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सब वाकई मेरे साथ हो रहा है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं रही, इसने मुझे एक एक्टर और एक इंसान दोनों रूपों में बहुत कुछ दिया है।'

'नीरज सर ने मुझे खुद को नए सिरे से खोजने का मौका दिया'

अपने डायरेक्टर नीरज घयवान के साथ काम करने के अनुभव को विशाल ने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, 'नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। उनकी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कहानी को देखने का नजरिया मुझे इमोशंस की उन परतों तक ले गया, जहां तक मैं शायद खुद भी पहले कभी नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने मुझे खुद को तोड़ने, समझने और फिर एक बेहतर कलाकार के रूप में दोबारा गढ़ने का मौका दिया। मैं उनका हमेशा इस मौके के लिए आभारी रहूंगा।'

'ईशान और पूरी टीम के साथ यह सफर और भी खास हो गया' अपने सह-कलाकार ईशान खट्टर और पूरी टीम के बारे में बात करते हुए विशाल की आवाज में गर्व और अपनापन साफ झलकता है। उन्होंने कहा, 'ईशान और पूरी टीम के साथ इस सफर को साझा करना इस उपलब्धि को मेरे लिए और भी खास बना देता है। हम सबने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है। साथ में सीखना, गिरना, संभलना और आज यहां तक पहुंचना अपने आप में बहुत इमोशनल एक्सपीरियंस रहा है। इस स्तर पर एक-दूसरे के साथ खड़े होकर फिल्म का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

'यह फिल्म मुझे याद दिलाती है कि मैं अभिनेता क्यों बनना चाहता था'?

अपनी बात को बेहद आत्मीय अंदाज में खत्म करते हुए विशाल कहते हैं, 'आज यहां खड़े होकर अपने सिनेमा और अपनी कहानी का प्रतिनिधित्व करना मुझे फिर से याद दिलाता है कि मैं एक्टर क्यों बनना चाहता था। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसे इस तरह की इंटरनेशनल पहचान मिली है और शायद इसी वजह से यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के ऑडियंस से भी उसी तरह जुड़ेगी, जैसे शूटिंग के दौरान यह हम सब से जुड़ी थी।'

लॉस एंजेलिस में इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचेगी फिल्म की कहानी

लॉस एंजेलिस में विशाल जेठवा, ईशान खट्टर और निर्देशक नीरज घयवान मिलकर फिल्म का प्रमोशन करेंगे। यहां फिल्म की खास स्क्रीनिंग होगी और अकादमी के मेंबर्स से मुलाकात व बातचीत के कार्यक्रम रखे जाएंगे। इसका उद्देश्य फिल्म की की सच्ची और भावनात्मक कहानी को दुनिया के ऑडियंस तक पहुंचाना है। फिल्म को इसकी मजबूत कहानी और असरदार अभिनय के लिए पहले ही काफी सराहना मिल चुकी है।